संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-64 गुरुवार,04 जनवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

क्या जेलों में होता है जाति-आधारित भेदभाव ?

जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और 11 राज्यों से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जेलों में जाति-आधारित भेदभाव का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की...सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों से जवाब मांगा है...सीजेवाई डीवाई चंद्रचूड जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर की दलीलों पर ध्यान दिया...इस याचिका को चार सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है...

- » क्या जेलों में होता है जाति-आधारित भेदभाव ?
- » जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और 11 राज्यों से मांगा जवाब
- »जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और 11 राज्यों से मांगा जवाब जेलों में जाति-आधारित भेदभाव का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर एससी ने की सुनवाई
- » सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और 11 राज्यों को नोटिस किया जारी

नई दिल्ली,03 जनवरी 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जेलों में जाति-आधारित भेदभाव का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश,पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों से जवाब मांगा है।

जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि यूपी, पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों की जेलों में जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा दिया जाता है।

जेलों में जाति-आधारित भेदभाव को लेकर दायर की गई याचिका

सीजेवाई डीवाई चंद्रचूड,जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर की दलीलों पर ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि 11 राज्यों की जेल नियमावली अपनी जेलों के भीतर

काम के बंटवारे में भेदभाव करती है और जाति के अधार पर कैदियों को रखा जाना तय होता है।

चार सप्ताह के बाद होगी सुनवाई

वरिष्ठ वकील ने कहा कि कुछ गैर अधिसूचित आदिवासियों और आदतन अपराधियों से अलग तरीके से बर्ताव किया जाता है और उनके साथ भेदभाव होता है। इस पर कोर्ट ने मुरलीधर से राज्यों से जेल नियमावलियों को एकत्र करने को कहा है और याचिका को चार सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

गृह मंत्रालय को नोटिस किया जारी

पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और अन्य राज्यों को नोटिस जारी किया है। साथ ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह महाराष्ट्र के कल्याण की मूल निवासी सुकन्या शांता द्वारा दायर जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दों से निपटने में कोर्ट की सहायता करें।

कोर्ट ने आदेश में क्या कहा ?

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता का कहना है कि जेल की बैरकों में मानव श्रम के आवंटन के संबंध में जाति आधारित भेदभाव है और इस तरह का भेदभाव गैर अधिसूचित आदिवासियों और आदतन अपराधियों के साथ है। केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी करें। हालांकि,सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मैंने जाति के आधार पर भेदभाव के संबंध में नहीं सुना है। विचाराधीन कैदियों और दोषियों को ही अलग किया जाता है।

इन राज्यों से मांगा जवाब

आपको बता दें कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल,मध्य प्रदेश,आंध्र प्रदेश,तेलंगाना,पंजाब,ओडिशा, झारखंड,केरल,तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से जवाब मांगा है।

फिर मुश्किलों में घिरीं टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा

जासूसी के आरोप में सीबीआई को शिकायत

नई दिल्ली,03 जनवरी 2024 (ए)। संसद से निष्कासित टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा एक बार फिर से मुश्किलों में घिरतीं नजर आ रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर अपने पूर्व प्रेमी जासूसी करवाने का आरोप लगा है। इस मामले में एडवोकेट जय अनंत देहाद्राई ने सीबीआई में महुआ मोइत्रा के खिलाफ अवैध रूप से जासूसी करने की शिकायत दी है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई ने महुआ मोइत्रा पर अपने पूर्व प्रेमी की निगरानी कराने का आरोप लगाया है। इस मामले में उन्होंने 29 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने बताया कि टीएमसी नेता अपने पूर्व प्रेमी को उनके फोन नंबर के जरिए ट्रैक कर रही है। साथ ही वह बंगाल पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की मदद से कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी प्राप्त कर रही है। सीबीआई को लिखे पत्र में देहाद्राई ने आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा 2019 में सुहान मुखर्जी नाम के एक व्यक्ति को ट्रैक कर रही थी। उन्होंने कहा, 'महुआ ने मुझे मौखिक और लिखित रूप से बताया था कि वह अपने पूर्व प्रेमी को ट्रैक कर रही थी, क्योंकि उसे उस पर एक जर्मन महिला के साथ रिलेशन में होने का शक था। सुप्रीम कोर्ट के वकील ने अपनी चिट्ठी में कुछ चैट के स्क्रीनशॉट भी लगाए हैं।

अरविंद केजरीवाल ईडी के सामने पेश होने के बजाय ईडी के समन का दिया जवाब

नई दिल्ली,03 जनवरी 2024 (ए)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति मामले में पूछताछ के लिए पेश होने के बजाय राज्यसभा चुनाव को लेकर अपनी व्यस्तता का उल्लेख करते हुए ईडी के समन का जवाब भी दिया है। सीएम केजरीवाल समन को लेकर तीसरी बार ईडी (ED) के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने ईडी को भेजे गए जवाब में कहा है कि दिल्ली में राज्यसभा चुनाव है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के नाते मैं इसमें व्यस्त हूं। दिल्ली के मुख्यमंत्री होने के नाते 26 जनवरी की तैयारी में भी लगा हुआ हूं. लेकिन, अगर आप कोई सवालों की फेहरिस्त भेजना चाहे तो मैं उनका जवाब दूंगा।

केजरीवाल ने ईडी को दिए जवाब में और क्या कहा ?

मैं आश्चर्यचकित हूं कि आपने मेरी ओर से उठाई गई आपत्ति का जवाब

नहीं दिया और पहले के समन से मिलता जुलता समन फिर से भेज दिया।मैं यह मानता हूं कि आपके पास इन समन का कोई जस्टिफिकेशन नहीं है। ईडी का व्यवहार मनमाना और गैर पारदर्शी है। पहले की तरह मैं फिर से कहता हूं कि मैं कानून का सम्मान करता हूं और जांच में सहयोग के लिए तैयार हूं।

आपकी चुप्पी निहित स्वार्थ की पुष्टि करती है। मैं कई ऐसे मामले जानता हूं जिसमें समन अपने वाले व्यक्ति के पूछने पर प्रवर्तन निदेशालय ने विस्तृत स्पष्टीकरण दिया है। मैं फिर से आपसे मांग करता हूं कि आप मेरे सवालों का जवाब दें ताकि मैं इस जांच की मंशा दायरे को ठीक से समझ सकूं।हर बार समन मेरे तक पहुंचने से पहले मीडिया में पहुंच जाते हैं, इससे सवाल उठते हैं कि इस समन का उद्देश्य कोई जांच करना है या मेरी प्रतिष्ठा को धूमिल करना है।

दिल्ली में राज्यसभा चुनाव है, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के नाते मैं इसमें व्यस्त हूं।दिल्ली के मुख्यमंत्री होने के नाते 26 जनवरी की तैयारी में भी लगा हुआ हूं। लेकिन, अगर आप कोई सवालों की फेहरिस्त भेजना चाहे तो मैं उनका जवाब दूंगा।

पत्रकारों के साथ बदसलूकी करने वालों पर दर्ज होगी एफआईआर

नई दिल्ली, 03 जनवरी 2024 (ए)। दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद पीएम और सीएम का भी ऐलान आया है कि,पत्रकारों से अभद्रता करने वालों पर लगेगा 50,000 का जुर्माना एवं पत्रकारों से बदसलूकी करने पर हो सकती है 3 साल की जेल...पत्रकार को धमकाने वाले को 24 घंटे के अंदर जेल भेज दिया जाएगा पत्रकारों को धमकी के आरोप में गिरफ्तार लोगों को आसानी से नहीं मिलेगी जमानत सीएम योगी का कहना है कि पत्रकारों को परेशानी होने पर तुरंत संपर्क कर सहायता प्रदान करें और पत्रकारों से मान-सम्मान से बात करें...वरना आप को पड़ेगा महंगा।

पत्रकार भीड़ का हिस्सा नही हैं

किसी स्थान पर हिंसा या बवाल होने की स्थिति में पत्रकारों को उनके काम करने में पुलिस व्यवधान नही पहुँचा सकती। पुलिस जैसे भीड़ को हटाती है वैसा व्यवहार पत्रकारों के साथ नही कर सकती।

ऐसा होने की स्थिति में बदसलूकी करने वाले

पुलिसवालों या अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज किया जायेगा। काटजू ने कहाँ कि, जिस तरह कोर्ट में एक अधिवक्ता अपने मुवक्किल का हत्या का केस लड़ता है पर वह हत्यारा नही हो जाता है। उसी प्रकार किसी सार्वजनिक स्थान पर पत्रकार अपना काम करते हैं पर वे भीड़ का हिस्सा नहीं होते। इसलिए पत्रकारों को उनके काम से रोकना मीडिया की स्वतंत्रता का हनन करना है।

सभी राज्यों को दिए निर्देश

प्रेस काउन्सिल ने देश के केबिनेट सचिव, गृह सचिव, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिवों व गृह सचिवों को इस सम्बन्ध में निर्देश भेजा है और उसमें स्पष्ट कहा है कि,पत्रकारों के साथ पुलिस या अर्द्धसैनिक बलों की हिंसा बर्दाश्त नही की जायेगी। सरकारें ये सुनिश्चित करें कि,पत्रकारों के साथ ऐसी कोई कार्यवाही कहीं न हो। पुलिस की पत्रकारों के साथ की गयी हिंसा मीडिया की स्वतन्त्रता के अधिकार का हनन माना जायेगा जो संविधान की धारा 19 एक ए में दी गयी है और इस संविधान की धारा के तहत बदसलूकी करने वाले पुलिसकर्मी या अधिकारी पर आपराधिक मामला दर्ज होगा।

इंडिया गठबंधन हमारी आस्था पर चोट करता है...मंदिरों को लूट का माध्यम बना दिया

त्रिशूर,03 जनवरी 2024 (ए)। केरल के त्रिशूर में स्त्री शक्ति कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा इंडिया गठबंधन को सिर्फ एक ही काम आता है। इंडिया गठबंधन हमारी आस्था पर चोट करता है। इन्होंने मंदिरों को, हमारे त्योहारों को भी लूट का माध्यम बना दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा आजकल देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है लेकिन मैं मानता हूं कि देश की नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी है। दुर्भाग्य से आज़ादी के बाद कांग्रेस की सरकारों ने, छ्स्न-छ्स्न की सरकारों ने नारी शक्ति को कमजोर माना। लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण देने वाला कानून वर्षों तक लटकाए रखा।

मोदी बोले आज शिवगंगे की महान रानी वेलु नचियार की जन्मजयंती है। आज समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की भी जन्म जयंती है। नारी शक्ति का सामर्थ्य कितना बड़ा होता है यह इन दोनों से सीखने को मिलता है। केरल की बेटियों ने भारत की आज़ादी, संस्कृति और संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ईडी की बड़ी कार्रवाईः झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के करीबियों के ठिकानों पर रेड

मीडिया सलाहकार और डीसी भी रडार पर

रांची,03 जनवरी 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड की राजधानी रांची में बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कई करीबी कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा राजस्थान में भी दस से अधिक ठिकानों पर रेड की जा रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चल रही है। रांची के पिस्का मोड़ स्थित एक आर्किटेक्ट के घर और साथ ही रातू रोड स्थित रोशन नाम के एक व्यक्ति के कई ठिकानों पर छापेमारी चल रही है, जिन लोगों के यहां ईडी की रेड है, उनमें कई झारखंड सरकार के बेहद करीबी हैं। ईडी के सूत्रों की मानें तो झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मीडिया सलाहकार भी ईडी की रडार पर हैं। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पिंटू उर्फ अभिषेक प्रसाद पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी है। सूत्रों के अनुसार ईडी की रेड सीएम

हेमंत सोरेन के मीडिया सलाहकार पिंटू कुमार के रांची स्थित ठिकानों, आईएएस अधिकारी और साहेबगंज के डीसी रामनिवास यादव जो कि मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। इसके अलावा आर्किटेक्ट विनोद कुमार,साहेबगंज के खोडानिया बंधु, पूर्व विधायक पप्पू यादव के देवघर स्थित ठिकानों पर, डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग समेत अन्य ठिकानों, अभय सरावगी के कोलकाता और अवधेश कुमार के ठिकानों पर रेड कार्रवाई जारी है।

156 देशों के जल से होगा रामलला का जलाभिषेक

- » बाबर के जन्म स्थान से भी आया जल
- » कजाकिस्तान से ताज मोहम्मद ने वहां की प्रमुख नदी का जल भेजा

अयोध्या,03 जनवरी 2024 (ए)। विश्व के सबसे बड़े एतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 156 देशों के पवित्र जल से होगा रामलला का जलाभिषेक। आश्चर्य की बात तो यह है कि इनमें से आपको जानकर बिल्कुल भी ये यकीन मुगल शासक बाबर की जन्मभूमि उज्बेकिस्तान से भी जल आया है।

बाबर के देश ईरान और पाकिस्तान के जल से भी श्रीराम का अभिषेक किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुगल शासक बाबर की जन्मभूमि उज्बेकिस्तान से भी जल लाया है। इतना ही नहीं पाकिस्तान, चीन, दुबई समेत महाद्वीप अंटार्कटिका के जल से भी रामलला का अभिषेक किया जाएगा। यह दावा दिल्ली के पूर्व विधायक डॉ विजय जौली का है।

अयोध्या मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति फाइनल कर ली गई है, लेकिन

इस मूर्ति को 17 तारीख को सार्वजनिक किया जाएगा। इसी दिन नगर भ्रमण का भी कार्यक्रम है। इस समय 22 जनवरी 2024 को प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम की चर्चा पूरे देशभर में हो रही है। ऐसे में यह जानना बेहद दिलचस्प होगा कि अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए 155 देशों से जल आया है।

विजय जौली ने दावा किया है कि कुल 156 देशों के जल संग्रह में सभी धर्मों के लोगों का सहयोग मिला है। सऊदी अरब से हिंदुओं ने तो ईरान से मुस्लिम महिला ने जल भेजा है। कजाकिस्तान से ताज मोहम्मद ने वहां की प्रमुख नदी का जल भेजा है। केन्या से सिख भाइयों की मदद से जल इकट्ठा किया गया। सिंधियों ने बेहद सावधानी बरतते हुए पाकिस्तान से अयोध्या के लिए जल भेजा है।

इसी साल अप्रैल में दिल्ली के पूर्व भाजपा विधायक विजय जौली 155 देशों से लाए गए पवित्र जल को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले थे। तब तस्वीरें भी सामने आई थीं। गडकरी ने कहा था कि यह ऐतिहासिक है। कलश को करीब से देखिए तो इसमें चीन, लाओस, लातविया, म्यांमार, मंगोलिया, साइबेरिया, दक्षिण कोरिया जैसे कई देशों के नाम के स्टिकर दिखाई देते हैं।

ड्राइवर से 'औकात' पूछने वाले शाजापुर कलेक्टर को छोड़नी पड़ी कुर्सी

मोहन यादव बोले-इस तरह की भाषा उचित नही

शाजापुर,03 जनवरी 2024 (ए)। शाजापुर में ट्रक डाइवर्स से जुड़ी घटना को लेकर मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शाजापुर कलेक्टर किशोर कन्याल को हटा दिया है। ड्राइवर से 'औकात' पूछने वाले बयान को लेकर जिलाधिकारी के खिलाफ यह एक्शन लिया गया है।

कलेक्ट्रेट में थी चालकों की बैठक

उ्ले लेखनीय है कि वाहन चालकों की हड़ताल के बीच कल शाजापुर कलेक्ट्रेट में हड़ताल के चलते बने हालात से निपटने और वाहन चालकों से चर्चा करने के लिए बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में एक ड्राइवर ने कहा था कि तीन दिन तक हमारी हड़ताल है, इसके बाद हम कुछ भी करेंगे।

ड्राइवर से कहा क्या औकात है तुम्हारी

इस पर कलेक्टर किशोर कन्याल भड़क गए थे और बोले थे फालतू बात मत करना यहां पर। क्या करोगे के या औकात है तुम्हारी। कोई कानून को अपने हाथ में लेगा। यह बात समझ लीजिये। ड्राइवर बोला हमारी यही तो लड़ाई है कि हमारी कोई औकात नहीं है। हालांकि बाद में ड्राइवर ने माफी मांग ली थी और मामला शांत हो गया था।

सबके काम का हो सम्मान : यादव

इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, यह सरकार गरीबों की सरकार है। सबके काम का सम्मान होना चाहिए और भाव का भी सम्मान होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। हम लगातार गरीबों की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा मनुष्यता के नाते ऐसी भाषा हमारी सरकार में बर्दाश्त नहीं। मैं खुद मजदूर परिवार का बेटा हूं। इस तरह की भाषा बोलना उचित नहीं है। अधिकारी भाषा और व्यवहार का ध्यान रखें।

सफाई और माफी के बाद भी नहीं बची कुर्सी

शाजापुर कलेक्टर किशोर कन्याल ने अपनी सफाई में कहा था, जिला और पुलिस प्रशासन ने जिले के 250 ड्राइवर्स की मीटिंग बुलाई थी। दरअसल, सोमवार को उनमें से कई ड्राइवर्स ने काफी उपद्रव मचाया था। इसी के चलते कलेक्टर ऑफिस में मीटिंग बुलाकर ड्राइवर्स को समझाइश दी जा रही थी कि कानून को हाथ में न लें। प्रजातांत्रिक तरीके से अपना विरोध जताएं। इसी दौरान मीटिंग में शामिल एक शख्स बार-बार पर खलल डाल रहा था और कह रहा था कि 3 जनवरी तक मांगें नहीं मानी तो हम किसी भी स्तर पर जा सकते हैं। उसी दौरान यह शब्द मेरे मुंह से निकल गए गए थे। यदि किसी को मेरी बातचीत से दुख पहुंचा हो तो माफी चाहता हूं।

ऋजु बाफना नई कलेक्टर

सीएम के आदेश के बाद नरसिंहपुर कलेक्टर ऋजु बाफना को शाजापुर की नई कलेक्टर बनाया गया है। वहीं किशोर कन्याल को मंत्रालय में उप सचिव बनाया गया है।

हरियाणा और राजस्थान में 31 जगहों पर एनआईए ने की छापेमारी

नई दिल्ली,03 जनवरी 2024 (ए)। जयपुर में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई जारी है। बुधवार सुबह सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी हरियाणा और राजस्थान में 31 जगहों पर छापेमारी की और तलाशी लेने पहुंची। तलाशी अभियान फिलहाल जारी है। इस हत्या के मामले में पुलिस ने अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है।राजस्थान पुलिस की टीम भी जांच में एनआईए का सहयोग कर रही है। राज्य पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन ने इस मामले की जांच के लिए जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश बिश्नोई के नेतृत्व में एसआईटी गठित की थी। 5 दिसंबर को सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के आवास पर उनसे मिलने के बहाने पहुंचे तीन बदमाशों ने उनपर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई।स्कूटी पर आए 2 बदमाशों ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी से मिलने के बहाने उनसे बातचीत की।

दिल्ली में 223 करोड़ रुपए के घोटाले की होगी सीबीआई जांच

नई दिल्ली,03 जनवरी 2024 (ए)। दिल्ली से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि के एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के वन विभाग में 223 करोड़ रुपए के कथित भ्रष्टाचार के मामले में दो अफसरों के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। एलजी ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित

अस्पताल में दो वरिष्ठ महिला अधिकारियों के खिलाफ रिश्वत के आरोप को लेकर भी एसीबी की जांच को मंजूरी दी है।दरअसल एक रिपोर्ट में कथित आरोप लगाया गया है कि वन्यजीव विभाग में 223 करोड़ रुपए का गड़बड़झाला हुआ है। इसी पर संज्ञान लेते हुए एलजी वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच को मंजूरी दी है।

संपादकीय

वर्तमान में चरमरा रहा है लोकतंत्र

आम अनुभव यही है कि लिबरल डेमोक्रेसी के अंदर नीतिगत आधार पर मौजूद वास्तविक विकल्पों का अभाव बढ़ता चला गया है। नतीजा यह है कि ऐसे नेताओं और दलों के लिए रास्ता खुल गया है, जो जनता के बीच उत्तेजना फैलाने में माहिर हैं।

विश्व मीडिया में 2024 को चुनावों का साल बताया गया है। इस वर्ष तकरीबन 60 देशों में किसी ना किसी स्तर के चुनाव होने हैं। शुरुआत बांग्लादेश में सात जनवरी को होने वाले संसदीय चुनाव होगी। लेकिन असल में वहां मतदाताओं के सामने चुनने के लिए कोई सार्थक विकल्प नहीं है। चूंकि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की अवामी लीग सरकार विपक्ष को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का भरोसा नहीं दिला पाई, इसलिए मुख्य विपक्षी दल- बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी- ने चुनाव का बायकॉट कर दिया है। इस वर्ष आठ फरवरी को पाकिस्तान में संसदीय एवं प्रांतीय चुनाव होंगे। लेकिन वहां के वास्तविक शासक- सैन्य एवं खुफियातंत्र ने देश के सबसे लोकप्रिय नेता इमरान खान और उनकी पार्टी को मुकाबलों से जबरन बाहर कर दिया है। अप्रैल-मई में भारत में चुनाव होंगे, जहां यह आम धारणा बन गई है कि अब सभी राजनीतिक दलों को मुकाबले का समान धरातल नहीं मिलता।

साल के आखिर- यानी नवंबर में दुनिया का ध्यान अमेरिका पर टिकेगा, जहां नए राष्ट्रपति का चुनाव होगा। लेकिन इस बीच जिस संदिग्ध ढंग से सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार डॉनल्ड ट्रंप को मुकाबले से बाहर करने की कोशिशें की जा रही हैं, उससे अमेरिकी लोकतंत्र पर भी सवाल गहराते जा रहे हैं। ये सिर्फ कुछ प्रमुख मिसालें हैं। वरना, आम अनुभव यही है कि लिबरल डेमोक्रेसी के अंदर नीतिगत आधार पर मौजूद वास्तविक विकल्पों का अभाव बढ़ता चला गया है। नतीजा यह है कि राजनीतिक चर्चाएं सांस्कृतिक एवं पहचान संबंधी मुद्दों पर केंद्रित हो गई हैं। इससे ऐसे नेताओं और दलों के लिए रास्ता खुला है, जो जनता के बीच उत्तेजना फैलाने में माहिर हैं। अनेक देशों में लिबरल अभिजात वर्ग ने इन ताकतों के आगे समर्पण कर दिया है, जबकि कुछ जगहों पर ऐसे नेताओं को वैसे तरीकों से रोकने कोशिश हो रही है, जिन्हें किसी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। नतीजतन, लिबरल डेमोक्रेसी चरमराती नजर आ रही है। इसका क्या दूरगामी परिणाम होगा, अभी यह साफ नहीं है। लेकिन तात्कालिक परिणाम के तौर पर लोकतांत्रिक मान्यताएं और संस्थाएं बेदम होती जा रही हैं और तानाशाही प्रवृत्तियों की जड़ मजबूत हो रही है।

लोकतंत्र के लिए अहम नया साल

नए साल की शुरुआत बांग्लादेश के चुनाव से हो रही है। सात जनवरी को बांग्लादेश में वोट डाले जाएंगे। उसके एक महीने बाद आठ फरवरी को पाकिस्तान में आम चुनाव होंगे और अप्रैल-मई में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र यानी भारत में लोकसभा चुनाव होना निर्धारित है। दक्षिण एशिया में गर्भनाल से जुड़े रहे ये तीनों देश भले आज अलग अलग हैं लेकिन इनमें बहुत कुछ एक जैसा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का लोकतंत्र दुनिया के किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक देश की तरह जीवंत है, जहां मतदाताओं की संख्या एक सौ करोड़ के करीब है और अगले चुनाव में मोटे तौर पर 70 करोड़ लोग मतदान में करेंगे। दूसरी ओर पाकिस्तान में लोकतंत्र एक तमाशा है। पूर्व प्रधानमंत्री जेल में बंद हैं और चुनाव आयोग ने उनका नामांकन खारिज कर दिया है। दूसरी ओर भ्रष्टाचार के आरोप में सजा पाए और देश छोड़ कर भाग गए नवाज शरीफ की वापसी हो गई है और उनका नामांकन स्वीकार हो गया है। तो समझा जा सकता है कि वहां चुनाव किस तरह से होंगे। बांग्लादेश में भी लोकतंत्र जैसे तैसे जिंदा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने समूचे विपक्ष को या तो जेल में डाल रखा है या देश निकाला दिया हुआ है।

बहरहाल, भारत में भी लोकतंत्र के लिए 2024 का साल परीक्षा वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए चुनाव में उतरेंगे। दूसरी ओर विपक्ष की ओर से यह आशंका जताई जा रही है कि अगर मोदी तीसरी बार जीतते हैं तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और फिर कभी चुनाव नहीं होंगे। कई विपक्षी पार्टियों के नेता दबी जुबान में यह बात कह रहे हैं और विपक्ष की एक मुखर आवाज बन कर उभरे पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक खुल कर कह रहे हैं। हालांकि उनकी यह आशंका निराधार है कि मोदी तीसरी बार जीते तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा या चुनाव नहीं होगा। मोदी चुनाव क्यों नहीं कराएंगे? चुनाव से तो उनको वैधता मिलती है। उनके एजेंडे को स्वीकार्यता मिलती है।

उनको और ताकत मिलती है। वे दुनिया भर में सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकप्रिय नेता के तौर पर सम्मान पाते हैं। सो, चुनाव नहीं होने की बातों का कोई मतलब नहीं है। चुनाव तो होते रहेंगे।

असली सवाल चुनाव की प्रक्रिया का है। उसकी विश्वसनीयता का है और लोगों के भरोसे का है। अगर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और अन्य पार्टियां चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही हैं तो उसे सिर्फ विपक्ष की बेबुनियाद आशंका, उसकी हार का भय या मोदीफोबिया बता कर खारिज करने की बजाय विश्वसनीय तरीके से उसका निराकरण किया जाना चाहिए। विपक्ष इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन को लेकर आशंकित है। उसमें छेड़छाड़ की संभावना देख रहा है। तो चुनाव आयोग को इस आशंका का जवाब देना चाहिए। यह कह देना पर्याप्त नहीं होगा कि चुनाव आयोग ने खुली चुनौती दी थी कि कोई मशीन हैक करके दिखाए लेकिन कोई हैक नहीं कर सका। चुनाव आयोग का यह मानना कि मशीन हैक नहीं हो सकती है, उसकी जिद है। उसे इस मामले को प्रतिष्ठा का सवाल नहीं बनाना चाहिए क्योंकि उसने न तो ईवीएम का आविष्कार किया है और न उसके कहने से चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल शुरू हुआ था और न ईवीएम ने उसे अपनी ब्रांडिंग के लिए मैनेजर नियुक्त किया है। ईवीएम बनाने का काम भी चुनाव आयोग का नहीं है। यह काम सरकार का है। और यह लोकतंत्र का सबसे पवित्र सिद्धांत है कि चुनाव आयोग के लिए जैसे सरकार यानी सत्तारूढ़ दल है वैसे ही विपक्ष है। उसे दोनों के प्रति समान भाव दिखाना चाहिए और जरुरत पड़ने पर सरकार के खिलाफ भी स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था विपक्ष के हर आरोप को खारिज करने लगे और सरकार की हर बात स्वीकार करने लगे तो उसमें गड़बड़ी भले कुछ न हो लेकिन आशंका पैदा होती है। तभी यह साल चुनाव आयोग की छवि बदलने वाला होना चाहिए क्योंकि लोकसभा के साथ इस साल जम्मू कश्मीर सहित आठ राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं।

सो, चुनाव आयोग को ईवीएम से जुड़ी आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। विपक्षी पार्टियों का यह प्रस्ताव है कि चुनाव भले ईवीएम से कराया जाए लेकिन वीवीपैट मशीनों से निकलने वाली पर्ची को मतदाता के देखने के बाद एक अलग बॉक्स में रखने की व्यवस्था हो, जिसे सबके सामने ईवीएम की तरह ही सील किया जाए और मतगणना में सारी पर्चियों को गिना जाए। इसमें नतीजे आने में निश्चित रूप से समय ज्यादा लगेगा लेकिन वह बड़ी बात नहीं होगी। आखिर पांच साल पर चुनाव होते हैं और चुनाव आयोग भी दो महीने में मतदान की प्रक्रिया पूरी करता है। कई क्षेत्रों में मतदान के बाद नतीजों के लिए लोगों को एक एक महीने तक इंतजार करना होता है। इसलिए मतदान समाप्त होने के बाद अगर नतीजे आने में दो-तीन दिन का समय लग जाता है तो उससे कोई आफत नहीं आ जाएगी। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और चुनाव नतीजों के प्रति आम नागरिक का भरोसा बनाए रखने की यह कोई बड़ी कीमत नहीं होगी।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए 2024 का साल इसलिए भी अहम है क्योंकि आम चुनावों के साथ साथ जम्मू कश्मीर में चुनाव होने वाले हैं और उसका पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होना है। सोचें, केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी दोनों दावा करते हैं कि जम्मू कश्मीर में सब सामान्य हो गया है। शांति बहाल हो गई है। आतंकवादी घटनाओं में बहुत कमी आ गई है। विकास की गंगा बह रही है। इसके बावजूद पांच साल से राज्य में विधानसभा नहीं है। जम्मू कश्मीर विधानसभा नवंबर 2018 में भंग कर दी गई थी। उसके एक साल बाद अनुच्छेद 370 खत्म करके राज्य का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया था। साथ ही जम्मू कश्मीर को विभाजित करके लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इस तरह नवंबर 2018 से राज्य में विधानसभा नहीं है और अगस्त 2019 से जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर तक चुनाव कराने को कहा है और जल्दी से जल्दी पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आदेश दिया है। एक राज्य में पांच साल से जनता की चुनी हुई सरकार नहीं है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहते हैं, अच्छी बात नहीं है। राज्य में आखिरी बार 2014 में चुनाव हुए थे। लोकतंत्र के लिए इससे जरूरी क्या हो सकता है कि 10 साल बाद राज्य में चुनाव हो!

लोकतंत्र में चुनाव अच्छी बात है। आम चुनाव होंगे। कई राज्यों में चुनाव होंगे। उससे पहले आस्था के केंद्र के तौर पर अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। करोड़ों लोग रामलला विराजमान के दर्शन करने जाएंगे। लेकिन इसके साथ ही लोकतंत्र के लिए अच्छी बात यह होगी की जनगणना कराई जाए। भारत में आखिरी बार 2011 में जनगणना हुई थी। उसके बाद 2021 में जनगणना होनी थी लेकिन 2020 में कोरोना की महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया और तब से यह टला हुआ है। इस अवधि में चीन को पीछे छोड़ कर भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है। परंतु उस आबादी की गिनती नहीं हुई है। 2011 के आंकड़ों के आधार पर सरकार की योजनाएं बन रही हैं। न आबादी का वास्तविक आंकड़ा है और न सामाजिक-आर्थिक स्थिति का वास्तविक आंकड़ा है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह भी जरूरी है कि उन बंदों को गिना जाए, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करते हैं। उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि यह पता चले कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों के हालात क्या हैं।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

चाहिए कि

चाहिए कि
इस दिल कों,
अब आराम चाहिए,
थाम लों हाथ,
अब साथ चाहिए,
चेहरों कों मत छुपाईए,
अब आशिक कों भी तेरा दीदार
चाहिए,
सारे रस्मों कों मानकर,
अब विवाह करना चाहिए,
जल्द से जल्द
अब शादी करके ,
अपने साथ लेकर जाने वाला
चाहिए।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हसदेव के जंगल हर कल्पत हे

गाँव-गली म बर-पिपर के,रुखुवा हे
जेकर थईहां लागे, सुग्घर झूलवा हे।
रुखुवा के छईहां म चउक चौपाला हे
जेमा सुम्मत सियान के बोलबाला हे।
गाँव के ए रुखराई, हमर पहिचान हे
इहीच म जीवजंतु के होथे बिहान हे।
ए हरियर-हरियर पेड़ हमर सिंगार हे
जल-जंगल-जमीन सबके आधार हे।
चल संजोय के एकर उदीम करना हे
ए सबो रुखराई ल बचा के रखना हे।
रुखराई ले ए जिनगी म खुशहाली हे
नही त भविष्य हर, हमर बदहाली हे।
आज हसदेव के जंगल हर कल्पत हे
इहां के जीवजन्तु मन सबो तड़फत हे।
ओकार गुहार शासन ल,नई सुनात हे
धीरे-धीरे ए जंगल हर, अब सिरात हे।
अइसन कटाई से पर्यावरण के हास हे
सम्मक जीव-जगत के, सत्यानास हे।

अशोक पटेल आशु
मेघा,धमतरी
छत्तीसगढ़

देश के आर्थिक विकास में नवप्रवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका

प्रगतिशीलता से ही वैश्विक अस्तित्व

जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3त्न नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषि क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

लुई ब्रेल : जिसने नेत्रहीनों को दृष्टि दी और जीने की राह भी

पेरिस से थोड़ी दूर बसे एक गांव कूप्रे में सुबह से ही लोग जुट रहे थे। सरकारी अधिकारियों एवं नेताओं की गाड़ियों का

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा,
उत्तरप्रदेश

काफिला भी गांव की ओर बढ़ा चला जा रहा था। गांव के निवासी स्त्री, पुरुष और बच्चे भी आश्चर्यचकित हो भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं। भीड़ एक कब्रिस्तान जाकर एक सभा में बदल जाती है। एक खास कब्र को सजाया गया है। एक अधिकारी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज फ्रांस की सरकार ने ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल के सम्मान का दिन घोषित किया गया है। सभा में खुशी की लहर छा गयी और कर तल ध्वनि से गगन गुंजित हो गया। तब पूरे राजकीय सम्मान एवं प्रतिष्ठा के साथ धार्मिक संस्कारोंपरांत कब्र से शव को निकाला गया। उपस्थित जन समुदाय ने अपनी गलती स्वीकार की और धार्मिक रस्में पूर्ण कर लुई के सम्मान में राष्ट्रीय धुन बजा उन्हें दफनाया गया। उपस्थित लोगों ने उनके महनीय मानवीय योगदान को स्वीकृति देते हुए अपने भूल के लिए प्रायश्चित किया। यह लुई ब्रेल की मृत्यु के सौ साल के बाद का एक सम्माननीय दृश्य था। नेत्रहीनों के लिए प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य का दर्शन अछूता और रसानुभूति से परे था, क्योंकि वे न तो देखकर आनन्द उठा सकते थे और न ही पढ़कर। दृष्टिहीनों के लिए यह दुनिया अंधकारमय और बेरंग थी। नेत्रहीन भी काव्य, कहानी, नाटक को पढ़कर आनन्द सागर में डूब सकें, ऐसा सहज सम्भव हुआ है एक विशेष लिपि में अंकित पाठ्य सामग्री के द्वारा, जिसे विश्व ब्रेल लिपि के नाम से जानता है। ब्रेल लिपि के जनक हैं फ्रांस के शिक्षाविद् लुई ब्रेल। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2019 से 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस के रुप में मनाया जा रहा है।

लुई ब्रेल का जन्म फ्रांस के एक गांव में 4 जनवरी 1809 को पिता साइमन रेले ब्रेल एवं माता मोनिक ब्रेल के परिवार में हुआ था। पिता के आर्थिक संसाधन सीमित थे एवं आजीविका का एकमात्र साधन उनका मोचीगिरी का ही काम था। वह चमड़े का काम करने के साथ ही फ्रांस के शाही परिवार एवं अमीरों के घोड़ों की काठी एवं जीन बनाने का काम किया करते थे। लेकिन कठोर श्रम एवं समय साध्य काम होने के बावजूद भी उनकी कमाई इतनी न थी छह सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण एवं उचित देखरेख संभव हो पाती। और जैसा कि परंपरागत रोजगार करने वाले परिवारों में होता है कि अपने पारंपरिक कार्य से बच्चों को जोड़े रखने एवं सिखाने की दृष्टि से छोटी उम्र से ही अपने साथ काम पर ले जाते हैं। साइमन रेले ने भी ऐसा ही किया और अपनी मोची की दूकान पर तीन वर्ष के बालक लुई ब्रेल को साथ ले जाने लगे। स्वभावतः बालक जिज्ञासु एवं चंचल होते हैं। दुकान पर चमड़े के काम में प्रयुक्त होने वाले लोहे के औजारों यथा चाकू,सूजा,हथौड़ी,कटर, आरी आदि से बालक संपर्क में आया। वह पिता की मदद करते हुए उनसे खेलने लगता। एक दिन पिता की अनुपस्थिति में खेलते समय सूजा उछल कर बालक की आंख में जा लगा और खून की धार फूट पड़ी। बालक को घर पहुंचाया गया और आंख साफ कर जड़ी-बूटी युक्त घरेलू औषधि का लेपन कर पट्टी बांध दी गई धऔर यह सोचा गया कि अपने आप जल्दी ही ठीक हो जाएगी। लेकिन उचित चिकित्सा के अभाव या अभिभावकों की लापरवाही के चलते घायल संक्रमित आंख का दुष्प्रभाव दूसरे आंख पर भी पड़ने लगा। आठ वर्ष का होते-होते बालक ने अपनी दृष्टि पूरी तरह खो दी। अब बालक के लिए सूरज के प्रकाश में कोई रंग न थे। उसके लिए दुनिया अब केवल अंधेरे का एक गोला थी। परिवार एवं समाज में वह दया एवं सहानुभमति का पात्र बन गया लेकिन उसे यह निरीह जीवन स्वीकार न था। उसका अन्तर्मन उसे पढ़ने के लिए कचोटता रहता। पर तत्कालीन समय में नेत्रहीनों की शिक्षा-दीक्षा के लिए कोई विशेष संसाधन एवं व्यवस्थाएं न थी। पेरिस में एक अंध विद्यालय अवश्य था पर वहां सामान्य परिवारों के बालकों का प्रवेश हो पाना बहुत कठिन था। बालक लुई में कुछ नया करने की लगन थी, साथ ही शिक्षा प्राप्ति का जज्बा एवं संकल्प भी। उसके निरन्तर आग्रह को स्वीकार कर पिता उसे एक परिचित पादरी के पास ले गए, जिनकी सिफारिश और मदद से लुई ब्रेल का नामांकन पेरिस के अंध विद्यालय 'रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड' में 1821 में हो गया। तब तक नेत्रहीनों को पढ़ाने के लिए कोई विशेष लिपि व्यवहार में नहीं थी। आधे-अधूरे प्रयासों से उपलब्ध सामग्री से उक्त विद्यालय में बच्चों को इतिहास, भूगोल एवं गणित की सामान्य जानकारी दी जाती थी। एक दिन शाही सेना का एक पदाधिकारी चार्ल्स बार्बियर, जो सैनिकों के लिए रात में भी टटोलकर पढ़ सकने वाली पठन सामग्री तैयार करने में जुटा हुआ था, उक्त विद्यालय में प्रशिक्षण हेतु आया। उन्होंने एक दिन संवाद करते हुए बताया कि अपने सैनिकों को अंधेरे में भी पढ़े जा सकने वाले गुप्त संदेशों को एक खास लिपि में अंकित कर भेजता है। उस लिपि में 12 बिंदुओं को 6-6 की दो पंक्तियों पर रखा जाता है जिसे सैनिक टटोलकर पढ़ लेते हैं। लेकिन एक बहुत बड़ी कमी थी कि उसमें विराम या गणितीय चिह्नों का अंकन सम्भव न था और चार्ल्स उसे बेहतर करने के लिए कुछ शोध कर रहा था। बालक लुइ सेनानायक चार्ल्स के काम से प्रभावित हुआ और उनकी कूट लिपि को पढ़ने-समझने के लिए पादरी की मदद से चार्ल्स से भेंट की। बातचीत के बाद बालक लुई ने लिपि में कुछ संशोधन करने के सुझाव दिये। चार्ल्स बालक के सुझावों को सुन हतप्रभ था और तुरन्त ही स्वीकार कर लिया जिससे सैनिकों तक संदेश पहुंचाना अब और सरल हो गया।

चार्ल्स बार्बियर की कूट लिपि को पढ़-समझ कर बालक लुई ब्रेल नेत्रहीनों के लिए उपयोगी एक खास लिपि को विकसित करने की साधना में जुट गया। आखिर 1829 में, आठ सालों की अनथक साधना का परिणाम एक विशेष विकसित लिपि के रूप में हुआ जिसे दुनिया ब्रेल लिपि से जानती है, जिसमें 6 उभरे बिंदुओं के आधार पर 64 अक्षर, विराम एवं गणित चिह्नों सहित संगीत के नोटेशन बनाना भी सम्भव हो गया। ब्रेल लिपि विकसित हो जाने से नेत्रहीनों के लिए पढ़ना एवं मनोभावों को अभिव्यक्त करना सहज संभव हो गया था। लेकिन ब्रेल लिपि को समाज एवं सरकार द्वारा मान्यता नहीं मिली। उसे सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाला कूट रचित अंकन ही समझा गया। लुई ब्रेल जीवन भर ब्रेल लिपि की मान्यता हेतु संघर्ष करते रहे। साथ ही लिपि के प्रचार-प्रसार में भी सतत समर्पित रहे।

विश्व को ब्रेल लिपि के रूप में अमूल्य उपहार देने वाला यह महान व्यक्तित्व 43 वर्ष की अल्पायु में ही 6 जनवरी, 1852 को लौकिक जीवन पूर्ण कर यमलोक की अनंत की यात्रा पर प्रस्थान कर गया। लुई ब्रेल की मृत्यु के 16 वर्ष बाद 1868 में फ्रांस की सरकार ने ब्रेल लिपि को मान्यता प्रदान की। धीरे-धीरे ब्रेल लिपि सम्पूर्ण विश्व प्रचलित हो गयी। भारत में भी ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीनों के लिए पढ़ने एवं प्रशिक्षण के लिए तमाम विद्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र खोले गए। 4 जनवरी, 2009 को लुई ब्रेल के 200वें जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी कर उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वास्तव में जीवन रहते हुए वह जिस सम्मान और प्रतिष्ठा के हकदार थे वह उनको नहीं मिला लेकिन उनकी मृत्यु के बाद उनके योगदान को सिर माथे लिया गया। संपूर्ण जग उनका ऋणी है और ऋणी रहेगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

दिकुप्रेम का रिश्ता

सुनो दिकु...
में जानता हूँ कि तुम तक मेरी
आवाज़ नहीं पहुँच रही
पर में अपनी कोशिश नहीं छोड़ूंगा
मैंने वादा किया है तुम से
उम्रभर प्यार रहेगा तुम से
दिकुप्रेम का यह रिश्ता
में कभी नहीं तोड़ूंगा
हो सकता है कि कई दिन बीत जाएँ
बदल जाएंगे साल कई
ऐसा भी हो कि तुम
हो जाओ बेखबर मुज़ से
उझड जाएंगे मेरे सर के बाल कई
फिर भी में अपनी आस की कलाई
कभी नहीं मोड़ूंगा
उम्रभर प्यार रहेगा तुम से
दिकुप्रेम का यह रिश्ता
में कभी नहीं तोड़ूंगा
शायद यह हो कि
मेरे कोई पाप इकट्ठे हुए हो
जिसकी भरपाई कर रहा हूँ
यह मेरे प्रायश्चित का समय हो
जो तुम से बिछड़कर जी रहा हूँ
कभी ना कभी तो यह
परीक्षा खत्म होंगी
एक समय पर दिकु तुम
अपने प्रेम से ज़रूर मिलोगी
असह्य पीड़ा होने पर भी
में अपना दम नहीं घोटूंगा
उम्रभर प्यार रहेगा तुम से
यह वादा है मेरा
दिकुप्रेम का यह रिश्ता
में कभी नहीं तोड़ूंगा
उम्रभर प्यार रहेगा तुम से
दिकुप्रेम का यह रिश्ता
में कभी नहीं तोड़ूंगा
प्रेम का इंतज़ार अपनी दिकु के लिए

प्रेम ठक्कर
दिकुप्रेमी
सूरत,
गुजरात

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नये साल से उम्मीदें तो बहुत हैं मगर कई चुनौतियां भी सामने खड़ी हैं

नया साल प्रारंभ हो गया है तो हर बार की तरह इस बार भी नई उम्मीदें, नया विश्वास एवं नया धरातल लाया है। बीत गया एक और साल। नये की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य है। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएं और नये भारत-सशक्त भारत का सपना आधा-अधूरा ही कहा जायेगा। ऐसे नए-पुराने सवाल हर नए साल में सामने आते रहे हैं। कुछ सवालों को हल करने में हम सफल रहे, लेकिन कुछ सवाल हमेशा की तरह अनुत्तरित ही रह गए। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। यह पुरुषार्थ का सन्देश है, अधूरे रहे कामों एवं संकल्पों को पूरा करने का। इन क्षण जड़ताओं को तोड़कर मुक्त होती है हमारे विकास की उजली संभावनाएं। यह अच्छाइयों एवं अधूरे रहे कार्यों को पूरा करने की ओर मुड़ने की प्रेरणा है। अर्धशून्य ढर्रे की जीवनशैली एवं विकास योजनाओं को बदलने का बुजुर्गी सुझाव है। समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बड़ी गंभीरता से नया मोड़ एवं रफ्तार देने की जरूरत है। शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं से जुड़े ऐसे ही अफसोस के अहसास हमारे लिये गंभीर होने चाहिए। आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है। शिक्षा जगत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, वह यह कि बढ़ती महंगाई और बदलते नियमों से विदेशों में पढ़ाई मुश्किल हुई है। सब जानते हैं कि शिक्षा हर परिवार के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। हर मां-बाप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। कई बार अच्छी शिक्षा के लिए बच्चों को विदेश भी भेजना पड़ता है। सवाल यह है कि आबादी के हिसाब से दुनिया का पहले नंबर वाला देश क्या अपने यहां ही बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया नहीं करा सकता? यह सवाल करोड़ों बच्चों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। सरकार के अनूठे एवं व्यापक प्रयत्नों के बावजूद शिक्षा और चिकित्सा के लगातार महंगे होने की चिन्ता से हर कोई परेशान है। शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' नये भारत के निर्माण के साथ समय की इस दस्तक को सुनें। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता हैं, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सूध कौन लेगा?

शिक्षा पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए,स्टेशनों पर भीख मांगते हुए,चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ठेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं? रिक्शा, ऑटोरिक्शा, बस चलाने वाले ड्राइवरों के पीछे की भी कहानी ऐसी ही होती है। नीति-नियंता लोग अपने निजी ड्राइवर, नौकर या कामवाली बाई की पारिवारिक स्थिति के बारे भी विचार कर लेते तो भी इस तरह की स्थितियों के बारे में बहुत कुछ आसानी से समझ लेते। कहीं-कहीं ये भी देखने को मिलता है कि जिन बच्चों की खिलौनों से खेलने की उम्र होती है वही बच्चे मेला, हाट-बाजार में खिलौना बेचते हुए मिलते हैं। किताबों से तो उनका दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। फिर विकास के सुनहरे सपने उन्हें कैसे दिखाई दे सकता है? इन स्थितियों में कैसे नया भारत-सशक्त भारत आकार ले सकेगा? आइ आइ टी, एनआइटी और आइ आइ एस ईआर, आइ आइ एम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू,बीएचयू जैसे विश्व विद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण है।

-ललित गर्ग-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

तमाम फटकार के बाद भी जिला अस्पताल की व्यवस्था सुधर नहीं रही

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी अचानक जिला अस्पताल पहुँच गए तो यहां मिली अव्यवस्था पर खुद को रोक नही पाए

- संवाददाता -
सूरजपुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

तमाम डांट-फटकार के बाद भी न तो जिला अस्पताल की व्यवस्था सुधर रही है और न ही ब्लॉक के अस्पतालों की,जिससे मरीज हलाकान है।बुधवार को प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी अचानक जिला अस्पताल पहुँच गए तो यहां मिली अव्यवस्था पर खुद को रोक नही पाए और अस्पताल प्रबंधन को जमकर खरीखोटी सुनाई। जिला अस्पताल में किस कदर हालत खराब है इसकी बानगी ऐसे दिखी जब विधायक जिला अस्पताल में पदस्थ समस्त डॉक्टरों की उपस्थिति पंजी रजिस्टर में चेक किया जिसमें कई डॉक्टर लंबे अरसे से अनुपस्थित है जिस पर विधायक ने अस्पताल अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से पूछा कि जब डॉक्टर अनुपस्थित है तो उपस्थिति पंजी में अनुपस्थित क्यों नहीं लिखा हुआ है। जवाब नहीं देने पर न केवल फटकार लगाई बल्कि विधायक ने स्वयं पेन मंगा कर उपस्थिति रजिस्टर में अनुपस्थित डॉक्टरो एवं संबंधित अधिकारियों के नाम के आगे लाल पेन से अनुपस्थित कर दिया।

इसी दौरान एक मरीज नेऑपरेशन के नाम पर मरीजो से पैसे मांगने की शिकायत की जिस पर डॉ विकास गुप्ता को सस्पेंड करने को कहा।

सीएमएचओ डॉ आर एस सिंह एवं सिविल सर्जन केके ध्रुव से विधायक ने साफ साफ कहा कि पुराना सिस्टम बन्द करो। ब्लड बैंक पहुं निरीक्षण किया। ब्लड एवं उक्त कार्य में उपयोग होने वाले फीजर व संबंधित समस्त मशीनों की जानकारी स्टाक संबंधित जानकारी लेते हुए विधायक ने कहा की समय पर समस्त जरूरतमंद मरीज को प्राथमिकता से ब्लड उपलब्ध कराया जाए ब्लड की कमी के कारण किसी भी मरीज की जान नहीं जानी चाहिए।स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर बनाने और जो कमी है उसे पर सुधार लाने के साथ-साथ जिला अस्पताल में स्टाफ बढ़ाने के विषय पर भी सीएमएचओ से बात करते हुए कहा कि क्षेत्र का विधायक आपके साथ खड़ा है आप दस्तावेज तैयार कर मुझे बताए मैं मुख्यमंत्री,स्वास्थ्य मंत्री एवं कलेक्टर से बात कर उसे हर संभव पूरा कराऊँगा। जिले का अस्पताल स्वच्छ रहेगा और क्षेत्र की जनता अगर स्वस्थ रहेगी तो पूरा प्रेमनगर विधानसभा बढ़िया चलेगा मेरी प्राथमिकता ही क्षेत्र की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था है। विधायक ने सीएमएचओ को एक हफ्ते के अंदर समस्त व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि मैं हफ्ते भर में पुनः कभी भी बिना सुचना के आ सकता हु व्यवस्था में सुधार नहीं पाए जाने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहे।इस दौरान प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, अग्रवाल, जिला महामंत्री राजेश महलवाला, जिला मंत्री संदीप अग्रवाल,शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल,जिला कार्यालय मंत्री राजेश्वर तिवारी, जिला सहमीडिया प्रभारी संस्कार अग्रवाल, विजय राजवाड़े,मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय,जनपद उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता,सुमंत साहू, राजलाल राजवाड़े,महादेव सिंह,यशवंत सिंह, विकाश चिंटू,सत्यनारायण गुप्ता,बजरंग राजवाड़े,संदीप जायसवाल, किशन देवांगन,प्यारे साहू, संजू सोनी,रंजन सोनी, तुषार ठाकुर,शैलेंद्र विश्वास, कौशलेंद्र यादव सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ये मिली कमियां

विधायक ने मरीज को परोसे गए भोजन को खुद उठाकर चखा और गुणवत्ता हीन भोजन पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।महिला मरीजों के रूम में अटैच शौचालय में दरवाजा नहीं था जगह आस्पताल में गंदगी दिखी,पीने का पानी नहीं,आरो खराब, अस्पताल परिसर की बिल्डिंग जर्जर जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की।

नए विधायक के सम्मान समारोह में नपा में भिड़े दो पक्ष

विधायक हुए असहज

- संवाददाता -
सूरजपुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

नगरपालिका में आज विधायक भूलन सिंह मरावी को उस समय असहज स्थिति सामना करना पड़ गया जब एक समारोह के दौरान व्यवसायी किसी बात को लेकर उलझ गए।खबर है कि बुधवार को नपा प्रतिनिधियों ने विधायक के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम चल ही रहा था कि कुछ व्यवसायी अपनी दुकान की समस्या लेकर नपा पहुँच गए और जिम्मेदार लोगों से सवाल करने लगे इसी बात पर दोनों पक्षो में न केवल जमकर बहस हुई बल्कि अश्लील शब्दावली का प्रयोग होने लगा।बात तो यहां तक चलने लगी कि गर्मी चढ़ गई है।बाद में कुछ लोगो ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया।इस बहसबाजी में जाहिर तौर पर भाजपा, कांग्रेस समर्थित लोग आमने सामने थे।इस हुज्जत बाजी से विधायक को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जिससे वे वहां से चुपचाप निकल लिए।हालांकि इस मामले में कोई कुछ बोलने की स्थिति में नही है यह जरूर है कि मामले आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।दूसरी ओर खबर यह भी है कि कांग्रेस सल्तनत वाले नपा में विधायक के जाने को लेकर भाजपा के कुछ लोग खुश नही थे इस पर वे आपत्ति भी दर्ज करा चुके थे।इस मामले में विधायक से सम्पर्क की कोशिश की गई पर उनका मोबाइल रिसीव नही होने से उनका पक्ष ज्ञात नही हो सका है।

खेत मे मिला युवक का संदिग्ध शव,हत्या की आशंका

- संवाददाता -
सूरजपुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

समीपस्थ ग्राम नमदगिरी गांव में 28 वर्षीय युवक का संदिग्ध हालात में खेत पर पड़ा शव मिलने से सनसनी फैल गयी है। युवक के नाक और सर में चोट के निशान मिले है,। नमदगिरी गांव का रहने वाला सुनील देवांगन देर रात किसी बिना बताए घर से निकला था जो सुबह तक घर नही लौटा था,इसी दौरान जब परिजन सुबह घर के बाहर निकले तो घर से 300 मीटर की दूरी पर स्थित खेत में युवक का शव पड़ा हुआ देखा जिसके बाद परिजनों ने कोतवाली पुलिस सूरजपुर को सूचित किया सूचना के बाद भी काफी देर से पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम लिया है...वहीं पुलिस ने डॉग स्क्वाड और एफएसएल की टीम को भी घटना स्थल पर बुलाया है और बारीकी से घटना स्थल पर मिले सुरागों की जांच पड़ताल कर रही है ।

सीनियर सिटीजन द्वारा पिकनिक एवं गरम कपड़े वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सीनियर सिटीजन फोरम फॉर सिविल राइट्स द्वारा पारिवारिक पिकनिक एवं बच्चों एवं ग्रामीणों को गर्म कपड़े वितरण करने हेतु केंदई फाल (केंदई आश्रम) में कार्यक्रम किया गया। सभी ने जंगल का नजारा अलौकिक छटा सौन्दर्य को नजदीक से देखा इसी के साथ जलहरी महादेव के दर्शन कुछ बंधु गोल्डन आइसलैंड जो पानी ही पानी है का भरपूर आनंद प्राप्त किया। इस दौरान बच्चों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। अध्यक्ष विष्णु प्रताप अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम में सभी ने अपना सहयोग दिया।

आश्रम में अध्यनरत 250 बच्चों में से कुछ बच्चों का 1 वर्ष हेतु समूचे खर्च की जिम्मेदारी विष्णु प्रताप अग्रवाल,नरसिंह दास अग्रवाल,गरीब राम अग्रवाल,मोहनलाल अग्रवाल,रविंद्र सिंह टुटेजा,जगदीश राय केडिया,लक्ष्मण प्रसाद अग्रवाल, रामकुमार अग्रवाल, कृष्ण कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल ने 5100 रुपया देकर बच्चों को गोद लिया गया। इसी कड़ी में मार्च में होने वाले सामूहिक विवाह में कन्यादान के लिए एक जोड़े का कन्या दान देने हेतु लक्ष्मण प्रसाद अग्रवाल ने अपनी सहमति दी है।

पंचायत सचिव की सुबह फांसी पर लटकती मिली लाश

बेटा ने कहा काम का था अधिकारियों का दबाव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

रघुनाथपुर चौकी अंतर्गत ग्राम पुरकेला के मड़वापारा निवासी जिला पंचायत सचिव ने बुधवार की सुबह घर के पास ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजनों ने उसका शव देखा तो इलाज के लिए मिशन अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में मृतक के पुत्र का कहना है कि पापा काफी दिन से परेशान थे। काम को लेकर प्रेशर में रहते थे। इधर पंचायत सचिव संघ के अध्यक्ष ने मामले की जांच की मांग की है।

रघुनाथपुर चौकी अंतर्गत ग्राम पुरकेला के मड़वापारा निवासी सहन साय पनिका 58 वर्ष ग्राम लालमाटी में पंचायत सचिव के पद पर पदस्थ था। बुधवार की सुबह उसका शव घर के बगल में स्थित मकान के म्यार में रस्सी के सहारे फांसी पर लटकता मिला। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव उतरवाकर पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। पंचायत सचिव ने किस कारण से आत्महत्या की, इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है। इस मामले में मृतक के पुत्र जितेंद्र साय ने बताया कि पापा काफी समय से परेशान थे। मंगलवार को वे जिला पंचायत अंबिकापुर में मीटिंग में शामिल होने गए थे, वहां से रात 12.30 बजे घर लौटे थे। बुधवार की सुबह लालमाटी में विकसित भारत शिविर की तैयारी भी उन्हें करना था। इसी बीच उन्होंने फांसी लगा ली। उसने बताया कि पापा काम को लेकर कभी कोताही नहीं करते थे। संभवत- उन्हें कोई प्रेशर दिया गया होगा। इधर पंचायत सचिव संघ ने मामले की जांच की मांग की है। संघ का कहना है कि जिला पंचायत में मीटिंग थी, किस कारण से उन्होंने आत्महत्या की, यह जांच का विषय है। कहीं उनके ऊपर कोई प्रशासनिक दबाव या घर में कोई परेशानी तो नहीं थी। काम का प्रेशर तो हम सभी के ऊपर भी रहता है, इस वजह से फांसी लगाना समझ से परे है। उनके मोबाइल के कॉल डिटेल की भी जांच होनी चाहिए।

फन एन्ड फिश वर्ल्ड संभाग का सबसे बड़ा मेला,पहली बार यहां देखने को मिल रहा हजारों मछलियों का अजायब घर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

शहर के कलाकेंद्र मैदान में आयोजित फन एंड फिश वर्ल्ड सरगुजा संभाग का अब का सबसे बड़ा मेला है। मेले में सरगुजा जिले के साथ ही पड़ोसी जिलों सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, जशपुर से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है और जमकर खरीददारी करने के साथ ही आकर्षक झूलों का लुत्फ उठा रहे है। यहां आने वाले लोगों को मछली की दुनिया फिश एक्रेरियम देखने को मिल रही है जिसमें हजारों प्रकार की मछलियों का संग्रह पहली बार देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही मेले में सेल्फी प्वाइंट भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। मेले में ऊनी कपड़ों के विशाल रेंज उलब्ध है इसके साथ ही हैंडलूम, साड़ी,बेडशीट,अगरबत्ती समेत अनेकों सामान उपलब्ध है। किफायती दामों पर उपलब्ध सामान ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। मेले में बच्चों के लिए रंग बिरंगे खिलौने समेत कई प्रकार के मनोरंजन का साधन उपलब्ध है। मेले के संचालक ने लोगों से एक बार मेला में अवश्य पधारने का आह्वान किया है।

लायंस क्लब ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

लायंस क्लब सरगुजा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जरुरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। जिसमें स्कूल रोड,सदर रोड,खरसिया रोड,पुराना बस स्टैंड, ब्रह्म रोड, देवीगंज रोड,घड़ी चौक और स्टेडियम के बाहर ठंड से ठिठुरते लोगों को कंबल ओढ़ाया गया। स्टेडियम के बाहर कुछ लोग ठंड से बचने के लिए प्लास्टिक की बोरी ओढ़े हुए थे। क्लब द्वारा रात 1 बजे तक कंबल वितरण किया गया। वहीं इस दौरान सीनियर सिटीजन पूर्व सरपंच नमनाकला चंदा शुक्ला के हाथों पुलिस सहायता केंद्र में पुलिस भाइयों के साथ मिलकर केक काटकर, मिष्ठान का वितरण कर नव वर्ष का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के पूर्व गवर्नर डॉ. जीडी सिंह, अध्यक्ष अनिल शुक्ला,सुमन सिंह,एलपी गुप्ता, पीके गोयल ,डॉ. यशवर्धन सिंह,अनुज कुमार सिंह,डॉ नीतू सिंह,नरेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल,मधु शुक्ला,मंगला असावा,आर्यन्स शुक्ला,एडवोकेट यादव आदि सदस्य उपस्थित थे।

चार दिनों में गज आतंक से सहमा उदयपुर वन परिक्षेत्र

» जजगी गांव के बाद रामनगर पंचायत में मचाया जमकर उत्पात

» हाथियों को रोकने वन अमला की कोशिश नाकाफी

- संवाददाता -
उदयपुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

वन परिक्षेत्र उदयपुर में 9 हाथियों का दल विगत 11 दिसम्बर से डेरा जमाए हुये है। इनका उत्पात लगातार जारी है अब तक इनके द्वारा एक दर्जन से अधिक घरों को तोड़ा जा चुका है आधा दर्जन मवेशियों को मौत के घाट उतारा जा चुका है। हाथियों के दल को जंगल में पर्याप्त चारा की व्यवस्था नहीं होने की वजह से आक्रामक रूख अपनाकर अब इनके द्वारा ग्रामीणों के घरों में रखे अनाज को चट कर, खेत में लगे गेहूं एवं आलू की फसल को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हाथियों के दल ने विगत दो तीन दिन पूर्व उपकापारा मोहनपुर में एक ठेला को उसके जगह से उठाकर फेंक दिया जिससे ठेला चकनाचुर हो गया फिर ग्राम जजगी गांव के चार किसानों के घर एवं फसल व धान को काफी नुकसान पहुंचाया । मंगलवार की रात को ग्राम फुनगी एवं रामनगर बेंवरा पारा नंदू पण्डो का मकान, मांनकुवर पण्डो का नलजल स्टैंड पोस्ट, प्रीतम सिंह का मकान, पनेश्वर मुनेश्वर, दयाराम, धन साय के आलू फसल, मांझी राम का गेंहू, कार्तिक राम का सरसों के फसल तथा रविंद्र के गेहूं के फसल को रौंदे है। वन अमला द्वारा सभी ग्रामीणों के नुकसान का जायजा लेकर मुआवजा प्रकरण तैयार किया जा रहा है। हाथियों के आक्रामक रूख से ग्रामीणजन भय मिश्रित वातावरण में जीवन जीने को मजबूर है। ठंड के सीजन में रात को बाल बच्चों सहित घर के बाहर रात बिताना कितना कठिन उसे सिर्फ प्रभावित ग्राम की जनता ही समझ रही है जो रात रात भर जागकर हाथियों से अपने आप को बचा रहे है।

हाथियों से बचाव के लिए उचित कदम उठाने की मांग

ग्राम रामनगर के सरपंच प्रतिनिधि रोहित सिंह टेकाम ने कलेक्टर के नाम का ज्ञापन एसडीएम उदयपुर को सौंप कर हाथियों से हो रही परेशानी से निजात दिलाने का अनुरोध किया गया है। सौंपे गये ज्ञापन में रोहित सिंह टेकाम ने बताया है कि वन अमला उदयपुर द्वारा सतत् निगरानी की जा रही है परंतु एक ही गजराज वाहन और सीमित टार्च वगैरह के संसाधन होने से हाथियों से बचाव में लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जंगल का रूख छोड़कर हाथियों द्वारा अब ग्रामीणों के घरों एवं बस्ती की ओर रूख किया जाना काफी खतरनाक है। कब किस ओर हाथी चला जाये इसका पता भी कई बार नहीं चल पाता है। हाथियों के पूर्व के अनुभव भी इस क्षेत्र के लिए कुछ अच्छे नहीं है विगत एक दशक में लगभग 10 से अधिक लोगों को मौत के घाट उतारा जा चुका है, हाथियों द्वारा इस तरह का आक्रामक रूख क्यों अपनाया जा रहा है ? इसका क्या समाधान हो सकता है ? क्या किसी प्रशिक्षित हाथी के माध्यम से इस हाथी दल को ग्रामीण क्षेत्र से बाहर भेजा जा सकता है ? इस विषय पर कलेक्टर महोदय से सहयोग व आवश्यक पहल किये जाने का निवेदन किया है जिससे हाथियों से हो रहे नुकसान और उनसे ग्रामीणों को बचाव हो सके और संभावित हाथी दुर्घटना की आशंका से बचा जा सके।

अमेरिका में भारतवंशी परिवार की मौत पर बड़ा खुलासा, आलीशान बंगले में मृत मिले थे पति-पत्नी और बेटी

वॉशिंगटन,03 जनवरी 2024। अमेरिका के मैसाच्युसेट्स में भारतीय मूल के एक अमीर परिवार के तीन सदस्यों के मृत पाए जाने की घटना के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि यह मामला हत्या करने के बाद आत्महत्या करने का हो सकता है। दरअसल, चिकित्सा अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद इस घटना पर संदेह जताया है।

57 साल के राकेश कमल, उनकी 54 साल की पत्नी टीना और 18 वर्षीय बेटी एरियाना 28 दिसंबर की शाम करीब साढ़े सात बजे अपने डोवर स्थित 50 लाख डॉलर के अपने आलीशान बंगले में मरे मिले थे। उनके इस बंगले में 11 बेडरूम और 13 बाथरूम हैं। कमल के शव के पास से एक बंदूक मिली थी।

ऐसे हुई मौत?

नॉरफॉक डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी माइकल मॉरिससी के कार्यालय का कहना है कि मुख्य चिकित्सा परीक्षक के कार्यालय ने शवों की जांच की रिपोर्ट सौंपी है। इससे साफ होता है कि टीना और उनकी बेटी एरियाना की गोली मारकर हत्या की गई है। वहीं, राकेश के भी गोली लगी है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा लग रहा है कि टीना और बेटी एरियाना को गोली मारने के बाद राकेश ने खुद को गोली मारी है।

आने वाले हफ्तों में आएगा सच सामने

जिला अटॉर्नी का कहना है कि आने वाले हफ्तों में जांच पूरी हो जाएगी। इसके बाद सबके सामने सच्चाई होगी। फिलहाल बंदूक के पूर्ण फोरेंसिक और बैलिस्टिक परीक्षण को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। राकेश के पास मिली बंदूक उनके नाम पर रजिस्टर नहीं है। पुलिस ने बंदूक के बारे में पता लगाने के लिए शराब, तंबाकू, आग्नेयास्त्रों और विस्फोटकों के ब्यूरो से संपर्क किया है। डोवर और मैसाचुसेट्स स्टेट पुलिस द्वारा घटना की जांच जारी है। पिछले हफ्ते, जिला अटॉर्नी ने इस घटना को प्राथमिक दृष्टि से घरेलू हिंसा बताया था।

दो-दिन से नहीं देखा था किसी ने

अटॉर्नी माइकल ने बताया था कि घटना का उस वक्त पता चला एक रिश्तेदार ने परिवार की जानकारी लेने की सोचा। दो-तीन से परिवार के सदस्यों को किसी ने नहीं देखा था और न ही किसी की बात हुई थी। इसके बार एक रिश्तेदार कमल के घर पहुंचे तो पता चला की तीनों नहीं रहे। घटना की जांच कर रहे मॉरिससी ने बताया था कि फिलहाल इस परिवार का आपसी किसी झगड़े का या कोई और मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि न कोई पहले की पुलिस रिपोर्ट है और न ही कोई और बात सामने आई है, जिससे पता चले कि दंपति ने हत्या क्यों की।

बहुत अमीर था परिवार

एक रिपोर्ट के अनुसार, कमल परिवार बहुत अमीर था। वह जिस आलीशान हवेली में रह रहा था उसकी कीमत लगभग 54.5 लाख डॉलर है। बताया जा रहा है कि इस हवेली को परिवार ने एक साल पहले मैसाच्युसेट्स स्थित विल्सनडेल एसोसिएट्स एलएलसी को 30 लाख डॉलर में बेच दिया था। दंपति ने 2019 में 40 लाख डॉलर में 19,000 वर्ग फुट की संपत्ति खरीदी थी, जिसमें 11 बेडरूम हैं।

दिवालिया घोषित होने का आवेदन रद्द

कमल परिवार में साल 2022 से आर्थिक संकट चल रहा था। सितंबर 2022 में परिवार ने दिवालिया घोषित किए जाने के लिए अप्लाई किया था। हालांकि इस साल अक्टूबर में सही फॉर्म और दस्तावेजों की कमी की वजह से उनका आवेदन रद्द हो गया था।

कमल परिवार के घर में करीब 11 कमरे हैं और ये डोवर शहर की एक प्राइवेट रोड पर बना है। टीना ने 2016 में अपनी एक कंपनी खोली थी, जो 2021 में बंद हो गई। ये कंपनी स्टूडेंट्स को अपने ग्रेड्स बेहतर करने में मदद करती थी।

सबसे महंगे स्कूल में पढ़ती थी

उनकी बेटी एरियाना ने भी मैसाचुसेट्स के सबसे महंगे स्कूलों में से एक मिल्टन एकेडमी से पढ़ाई की थी। उसने वरमॉन्ट के मिडिलबरी कॉलेज में न्यूरोसाइंस की पढ़ाई के लिए एडमिशन लिया था।

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा की जयशंकर से बात,दोनों देशों के बीच रिश्तों की मजबूती पर जोर

कीव,03 जनवरी 2024। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे भीषण युद्ध को डेढ़ साल से भी अधिक समय हो गया हैं। इसी बीच, यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की हैं।

भारत-यूक्रेन के द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा-दिमित्रो कुलेबा

पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने लिखा, हम भविष्य में 2018 के बाद से भारत-यूक्रेन अंतर सरकारी आयोग की पहली बैठक आयोजित करने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि मैंने अपने भारतीय समकक्ष को रूस में बढ़ रहे आतंक और यूक्रेन पर किए जा रहे बड़े पैमाने पर हवाई हमलों के बारे से जानकारी दी। दोनों देशों के नेताओं ने शांति फॉर्मूले पर आगे बढ़ने पर चर्चा भी की। इस दौरान वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन के लिए यूक्रेन के दृष्टिकोण से भी अवगत कराया है।

भारत-यूक्रेन अंतर सरकारी आयोग की पहली बैठक पर सहमति

उन्होंने कहा कि हम आने वाले भविष्य में 2018 के बाद से भारत-यूक्रेन अंतर सरकारी आयोग की पहली बैठक आयोजित करने पर सहमत हुए। उन्होंने लिखा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों के इस प्राथमिक तंत्र का कायाकल्प हमें व्यापक तरीके से आगे बढ़ने की अनुमति देगा।

इससे इतर, एक साक्षात्कार में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और कनाडा के मौजूदा राजनयिक संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कनाडा की राजनीति ने खालिस्तानी ताकतों को पनाह दी हुई हैं। वे सभी सीधे तौर पर कनाडा की राजनीति में शामिल हैं। मुझे लगता है कि यही एक कारण हैं, जो दोनों देशों के संबंधों को नुकसान पहुंचा रहा हैं। यह स्थिति भारत और कनाडा दोनों के लिए खतरा हैं। मेरा मानना है कि जितना यह भारत के खतरा है।

चुनाव आयोग ने इमरान खान और फवाद चौधरी को अवमानना मामले में बनाया आरोपी,16 जनवरी को अगली सुनवाई

इस्लामाबाद,03 जनवरी 2024। चुनाव आयोग ने बुधवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी को एक अवमानना मामले में आरोपी बनाया है। इमरान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष हैं और फवाद उनकी पार्टी के वरिष्ठ पूर्व सदस्य हैं।

2022 में चुनाव आयोग (ईसीपी) और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सिकंदर सुल्तान राजा के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए दोनों नेताओं पर मामला दर्ज किया गया था। ईसीपी की चार सदस्यीय समिति ने रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में सुनवाई शुरू की। दोनों नेता विभिन्न मामलों में इसी जेल में बंद हैं।

उन पर ईसीपी और सीईसी का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। जब आरोप पढ़े गए तब दोनों अदालत कक्ष में मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने इन आरोप पत्र में लगाए गए आरोपों से इनकार किया। अभियोग के बाद समिति ने अवमानना मामले की सुनवाई 16 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इस मामले की सुनवाई पहले ईसीपी भवन में हो रही थी। लेकिन, पुलिस ने सुरक्षा कारणों से इमरान खान को अभियोग के लिए पेश करने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद आयोग को छह दिसंबर को सुनवाई अदियाला जेल में स्थानांतरित करनी पड़ी। इमरान खान को अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए अपदस्थ कर दिया गया था। सत्ता से बेदखल होने के बाद से उनके खिलाफ 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

खुद आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान को इस आतंकी संगठन से लग रहा डर,गृह मंत्री ने संसद में बताया

इस्लामाबाद, 03 जनवरी 2024। पाकिस्तान को अब खुद की ही करतूतों की वजह से डर लग रहा है। आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान को एक आतंकी संगठन से डर लग रहा है। दरअसल, अशांत खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में बड़ी संख्या में तहरीक-ए-तालिबान आतंकवादियों की आमद के बीच पाकिस्तान के सामने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की ओर से भी खतरा बना हुआ है। आईएसआईएस देश में अपने पांव जमाने की कोशिश कर रहा है। यह बात पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने कही।

टीटीपी की बढ़ रहीं गतिविधियां

मंत्रालय की ओर से संसद को अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की बढ़ती गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिबंधित समूह के खिलाफ तालिबान नीत अंतरिम अफगान सरकार की निष्क्रियता के बारे में भी संसद को बताया गया।

गृह मंत्रालय ने दी सूचना

गृह मंत्रालय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में 2022 की शांति वार्ता के दौरान टीटीपी के नए सिरे से संगठित होने और उसकी गतिविधियों में विस्तार के बारे में सूचना साझा की, जिसने अपनी आतंकी गतिविधियों को बढ़ा दिया है।

बलूचिस्तान में भी बढ़ रहा आतंक

उसने कहा, 'टीटीपी ने अपनी गतिविधियों में काफी इजाफा कर दिया है और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए दूसरे चरमपंथी समूहों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी गतिविधियां विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा में केंद्रित हैं और बलूचिस्तान में भी इसके निशान दिखाई दे रहे है। यह संगठन देश में अपने नेटवर्क को सक्रिय करने के लिए प्रयासरत है।'

भूकंप में मरने वालों की संख्या 64,पीएम ने बचाव कार्य के लिए रक्षा बलों की संख्या बढ़ाने का लिया फैसला

टोक्यो,03 जनवरी 2024। नए साल के दिन सोमवार एक जनवरी को जापान में लगातार 155 भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसमें मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 64 हो चुकी है। मलवे और टूटी हुई सड़के बचाव कार्य में बाधा बन रही है।

बारिश और भूस्खलन की संभावना

भूकंप के कारण इशीकावा प्रांत के वाजिमा शहर में कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में आग भी लग गई। हालांकि, अबतक कितनी क्षति हो चुकी है इसका आकलन अभी तक नहीं हो पाया है। जापान के मौसम विभाग ने भूकंप के बाद गुरुवार को रुक-रुक कर बारिश के साथ भूस्खलन की संभावना जताई है। जापान के रक्षाबलों (जेएसडीएफ) को क्षतिग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य के लिए भेज दिया गया है। वे हेलीकॉप्टर के जरिए क्षतिग्रस्त इलाकों में लोगों को जरूरत की चीजें पहुंचाएंगे। स्थानीय अधिकारियों ने केंद्र सरकार से रेस्क्यू मिशन के लिए एसडीएफ कर्मियों को भेजने का अनुरोध किया था।

दो विमानों की टक्कर के बाद पीएम किशिदा का आया बयान

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि सरकार ने क्षतिग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य करने वाले एसडीएफ कर्मियों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम किशिदा का बयान तब आया जब मंगलवार को टोक्यो के हनेड़ा एयरपोर्ट पर जापान एयरलाइंस को. प्लेन और जापान तटीय रक्षक का विमान रनवे पर आपस में ही टकरा गए। दोनों ही विमानों में रेस्क्यू सामग्री ले जाया जा रहा था।

पीएम किशिदा ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा, %उम्मीद करता हूं कि इस घटना का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है और क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य जारी है।% नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण इमारतों के ढहने से कई लोग अभी भी उस मलवे में दबे हुए हैं। वाजिमा शहर में एक जनवरी को सात की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 62 साल की महिला को मिलेगा स्पर्म, बच्चा पैदा करने के लिए अलग आदेश की जरूरत

कैनबरा,03 जनवरी 2024। ऑस्ट्रेलिया की सुप्रीम कोर्ट ने महिला को मृत पति के स्पर्म हासिल करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, 62 साल की पत्नी की याचिका पर सुनवाई के दौरान देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ किया कि फिलहाल शुक्राणु का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। अदालत ने कहा कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पुरुष की मौत के बाद बच्चा पैदा करने में मृतक के स्पर्म का इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। ऐसा करने के लिए महिला को नए सिरे से याचिका दाखिल करनी होगी। अदालत के आदेश के बाद ही महिला पति के स्पर्म का इस्तेमाल गर्भधारण के लिए कर सकेगी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के कानूनों के तहत महिला को मेडिकल पद्धति से मां बनने के लिए इंतजार करना होगा। फिलहाल वह अपने पति के बच्चे की मां नहीं बन सकेंगी।

अस्पताल में शव, स्पर्म के लिए अधिकारी नहीं; कोर्ट पहुंची महिला

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की सुप्रीम कोर्ट ने अपने आप में दुर्लभ मुकदमे पर सुनवाई के बाद कहा, 62 साल की पत्नी को पति के देहावसान होने के बावजूद स्पर्म दिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक 61 साल के मृतक का शव चार्ल्स गेर्डनर अस्पताल में ले जाया गया था। इसके बाद स्पर्म हासिल करने के लिए पत्नी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अस्पताल की तरफ से स्पर्म निकालने का समुचित प्रबंधन नहीं किए जाने के कारण महिला को कोर्ट का रूख करना पड़ा। खबरों के मुताबिक इस मामले में अदालत ने कोई संबंधित अधिकारी मौजूद नहीं होने जैसी दलील दी। महिला को विशेष परेशानी इसलिए भी हुई क्योंकि उनके दोनों बच्चों की मौत हो चुकी है।

61 साल के पति का स्पर्म कारगर लेकिन 62 साल की आयु में मां बनना चुनौतीपूर्ण

दंपती का नाम कानूनी कारणों से सार्वजनिक नहीं किया गया है। महिला ने अदालत को बताया कि पति की मौत से पहले दोनों के बीच एक और बच्चा पैदा करने के संबंध में बात हुई थी। अलग-अलग हादसों में इनके दोनों बच्चों को खोने वाली 62 साल की इस महिला ने अपने पति के शुक्राणु हासिल करने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। खबरों के अनुसार, मौत के बावजूद 61 साल के पति के स्पर्म गर्भधारण में इस्तेमाल के लायक बचे हैं। हालांकि, महिला को डॉक्टर ने सलाह दी कि अधिक आयु होने के कारण वह गर्भधारण नहीं कर सकतीं। हालांकि, शुक्राणु के परीक्षण में उसे इस्तेमाल के लायक पाया गया।

आम चुनाव के मद्देनजर बांग्लादेश में तैनात किए गए सशस्त्र बल,निष्पक्ष मतदान पर जोर

ढाका,03 जनवरी 2024। बांग्लादेश में सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर सशस्त्र बलों की तैनाती की हैं। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने को लेकर बुधवार को बलों को तैनात किया गया है।गौरतलब है कि विपक्षी दल बीएनपी ने देश में होने वाले आम चुनाव का बहिष्कार किया हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि सशस्त्र बलों के सदस्यों को हर जिले, उप जिला और महानगरीय क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। बांग्लादेश वायुसेना पहाड़ी इलाकों में मतदान केंद्रों को हेलीकॉप्टर सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने चुनाव की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही पर्याप्त तैयारी कर ली है।

सुरक्षा को लेकर पुख्ता इतंजाम- पुलिस

सेना ने चुनाव से जुड़ी जानकारी देते हुए कहा कि 3 से 10 जनवरी तक शांति और अनुशासन लागू करने के लिए चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगे। सशस्त्र बलों के अलावा तटरक्षक बल, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के सदस्य भी चुनाव ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

विपक्षी दल बीएनपी का चुनाव बहिष्कार

बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी द्वारा चुनाव बहिष्कार के चलते देशव्यापी हड़तालें, परिवहन नाकेबंदी का बीच-बीच में आह्वान किया जाता हैं। बीएनपी के मुताबिक, वर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना के रहते कभी भी देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं किए जा सकते हैं। पिछले दो माह में राजनीतिक हिंसा में 11 लोगों की मौत हो चुकी हैं और 386 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया हैं। राजनीतिक हिंसा में पुलिस ने कई विपक्षी कार्यकर्ताओं और हस्तियों को गिरफ्तार किया हैं, जिनमें बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरूल इस्लाम आलमगीर शामिल हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि बीएनपी आम चुनाव का बहिष्कार कर रही है क्योंकि उन्हें चुनावों में धांधली की कोई गुंजाइश नहीं मिली हैं।

सडक़ दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, चचेरा भाई गंभीर

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले के चंद्रमेढ़ा के पास मंगलवार की शाम को बाइक सवार ने दूसरे बाइक सवार को टक्कर मारकर फरार हो गया। दुर्घटना में दो चचेरे भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को सूरजपुर अस्पताल से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया था। यहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार लाल सय पिता राम प्रसाद गिरी उम्र 24 वर्ष ग्राम बेलटुकरी थाना झिलमिली का रहने वाला था। वह मंगलवार को अपने चचेरे भाई रमेश गिरी के साथ ग्राम खरसोता से बाइक से वापस घर लौट रहा था। रास्ते में ग्राम चंद्रमेढ़ा के पास एक अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में दोनों चचेरे भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए भैयाथान अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने सूरजपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां से भी अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया था। यहां इलाज के दौरान लाल साय की बुधवार की सुबह मौत हो गई। जबकि रमेश का इलाज चल रहा है।

एमसीबी जिले से बलरामपुर जिले स्थानांतरित किए गए प्रधान आरक्षक सहित

आरक्षक की वापसी के लिए एक उप निरीक्षक हुए सक्रिय ली गारंटी:सूत्र

तबादले के 15 दिन बाद भी पुलीसकर्मी नही पहुचे अपने नवीन पदस्थापना स्थल तक

पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण रुकवाने एक मंत्री से मिले उप निरीक्षक,20 मिनट हुई चर्चा

एक उप निरीक्षक प्रधान आरक्षक सहित आरक्षक का स्थानांतरण क्यों चाहते हैं रुकवाना,आखिर इसके पीछे क्या है वजह?

जिले से स्थानांतरण पश्चात रवानगी मिलने उपरांत भी नवीन पदस्थापना स्थल पर नहीं दे रहे आमद प्रधान आरक्षक और आरक्षक

आईजी,एसपी का तबादला तक कराने का रखते हैं माद्दा एक उप निरीक्षक

जिस उप निरीक्षक ने प्रधान आरक्षक और आरक्षक का तबादला रुकवाने के ठेका लिया है वह आईजी और एसपी का भी तबादला करवाने का माद्दा रखते हैं ऐसा उन्ही के शागिर्द कहते हैं। वैसे कांग्रेस नेताओं के ज्यादा करीबी उक्त उप निरीक्षक का कांग्रेस शासनकाल में काफी प्रभाव था और ऐसा उनके पुराने संबंधों का कारण था जो कांग्रेस नेताओं से अधिक चले आए थे। वैसे अब वह भाजपा नेताओं के पास पहुंच रहे हैं भाजपा नेताओं से अपना संपर्क बढ़ा रहे हैं जिससे आईजी एसपी भी उनके अनुसार कार्य करें।

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक
सरगुजा रेंज, सरगुजा, अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)
-: आदेश :-

क्र.	पदनाम/बैच नं.	नाम अधिकारी/कर्मचारी	वर्तमान इकाई	नवीन पदस्थापना इकाई
1	2	3	4	5
1.	स.उ.नि.	[illegible]	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
2.	प्र.आर. 78	[illegible]	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
3.	प्र.आर. 55	[illegible]	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
4.	आर. 135	[illegible]	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
5.	आर. 500	[illegible]	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज
6.	आर. 799	[illegible]	सरगुजा	एम.सी.बी.
7.	आर. 462	[illegible]	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज
8.	आर. 653	[illegible]	सरगुजा	एम.सी.बी.
9.	आर. 181	[illegible]	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज

पुलिस महानिरीक्षक

-रवि सिंह-
एमसीबी,03 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

नवीन जिले एमसीबी के कुछ प्रधान आरक्षक साथ ही आरक्षकों के तबादला आदेश में रुकावट डालकर या अन्य तबादला आदेश जारी करवाकर उनकी पुनः एमसीबी जिले में वापसी के लिए एक पुलिस विभाग के उप निरीक्षक परेशान हैं वहीं वह तबादला रुकवाने की गारंटी लेने के बाद परेशान हैं ऐसी सूचना सूत्रों से पता चल रही है।

सूत्रों की माने तो एमसीबी जिले के प्रधान आरक्षक साथ ही आरक्षकों जिनकी लगातार शिकायत सामने आ रही थी वहीं जो वर्षो से एक ही पुलिस थाने या एक ही जिले में पदस्थ थे उनका आईजी सरगुजा ने पिछले दिनों बलरामपुर जिले के लिए तबादला कर दिया था वहीं तबादला आदेश जारी होने उपरांत यह सभी रवानगी भी एमसीबी जिले से ले चुके थे वहीं रवानगी लेने के बाद वह अभी तक नवीन पदस्थापना स्थल तक नहीं पहुंचे थे वह तबादला निरस्त कराने के चक्कर में लगे हुए थे जिसका प्रयास उनका अब जारी नजर आ रहा है और एक पुलिस विभाग के ही उप निरीक्षक उनकी यह मंशा पूरी करने की गारंटी ले चुके हैं जो बताया जा रहा है। पुलिस विभाग के वह उप निरीक्षक जिन्होंने यह ठेका लिया है वह अब मंत्री जी के दरबार में पहुंचे हैं जहां से यह सूचना बाहर आई है और बताया जा रहा है की उप निरीक्षक की मंत्री जी से 20 मिनट चर्चा हुई और जिसके बाद वह बाहर निकले। मंत्री जी ने उन्हे क्या आश्वासन दिया यह तो पता नहीं चल सका लेकिन मुलाकात प्रधान आरक्षक और आरक्षक जिनका तबादला नवीन जिले एमसीबी से बलरामपुर जिले के लिए किया गया है उनका तबादला रुकवाने के लिए थी यह बात जरूर समाने आई है।

तीनों के तीनों का आखिर कैसे हो सकता एक साथ तबीयत खराब की लगा रहे एकसाथ मेडिकल?

सूत्र बता रहे है की जिन तीन पुलिसकर्मियों का तबादला आईजी सरगुजा ने एमसीबी जिले से बलरामपुर जिले किया है तीनों की रवानगी एमसीबी जिले में दर्ज किया जा चुका है वहीं वह अभी तब बलरामपुर जिले पहुंचकर आमद नहीं दिए हैं। वह एक उप निरीक्षक के भरोसे रुके हुए हैं जो उनका तबादला रुकवाने सक्रिय हैं। तीनों ने फिलहाल मेडिकल दे रखा है और अपनी तबियत खराब बताई है। अब सवाल यह उठता है की हमेशा स्वस्थ रहने वाले तीन पुलिसकर्मियों का एक साथ कैसे तबियत खराब हो गया है की तीनों का मेडिकल लगा हुआ है। यह संयोग है की प्रयोग यह जांच का विषय है।

तबादला सूची के अधिकांश पुलिसकर्मी अपने नवीन पदस्थापना पर पहुंच गए पर एमसीबी के तीन दिग्गज को वहां पहुंचने में हो रही परेशानी

आईजी सरगुजा ने ऐसा नहीं है की केवल एमसीबी जिले के तीन पुलिसकर्मियों का ही तबादला किया ही,आईजी ने रेंज के कई जिलों के पुलिसकर्मियों का तबदला किया है जिसमे से अधिकांश अपने नवीन पदस्थापना पर आमद दे चुके हैं वहीं इन तीन एमसीबी जिले के पुलिसकर्मियों को छोड़कर। क्या एमसीबी जिले के तीन पुलिसकर्मी खुद को मानते हैं उच्च अधिकारियों के आदेश से ऊपर क्या वह नई जगह जाने में परेशानी महसूस कर रहे हैं यह बड़ा सवाल है। वैसे बताया जा रहा है की यह तीनों एमसीबी जिला छोड़ना नहीं चाहते जिससे इनकी जारी सेंटिग थाना क्षेत्रों की बनी रहे और इनकी ऊपरी आमदनी बनी रहे।

आईजी सरगुजा ने इन्हे जिले से हटाना ही बेहतर समझा कानून व्यवस्था के हिसाब से

बता दें की यह प्रधान आरक्षक और आरक्षक कोरिया संयुक्त जिला और नवीन एमसीबी जिले में ही सेवा देते चले आ रहे थे और इनका कार्यकाल ज्यादातर गृह थाना क्षेत्रों में ही संपन्न होता चला आया था और यह काफी चर्चित प्रधान आरक्षक और आरक्षक माने जाते हैं क्योंकि इनका नाम हर उस मामले में सामने आता रहता था जिसमे किसी को परेशान किए जाने की बात शामिल होती थी या किसी अवैध कारोबार में संलिप्तता की बात समाने आती थी। यह ऐसे नाम थे जिनकी शिकायत इतनी थी की निरीक्षण में पहुंचे आईजी सरगुजा ने इन्हे जिले से हटाना ही बेहतर समझा कानून व्यवस्था के हिसाब से।

एमसीबी जिले में लाने की जिम्मेदारी एक उप निरीक्षक ने ली है

वैसे अब इन्हे पुनः एमसीबी जिले में लाने की जिम्मेदारी एक उप निरीक्षक ने ली है और वह मंत्री जी से मिलकर इनके लिए जुगाड बनाने में लगे हुए हैं। वैसे देखना यह है की अपने ही क्षेत्र के लोगों को परेशान करने वाले साथ ही अवैध कार्यों में संलिप्त रहने वाले ऐसे पुलिसकर्मियों की मदद के लिए मंत्री जी गंभीर होते हैं या अपने क्षेत्र की जनता को परेशान करने वालों को क्षेत्र में अवैध कारोबार को संरक्षण देने वालों को मंत्री जी क्षेत्र से बाहर ही रखते हैं। वैसे इस बार भाजपा की छत्तीसगढ सरकार में कोई भी निर्णय सभी पहलुओं पर विचार उपरांत ही लिया जायेगा क्योंकि कई गलतियों के कारण ही जो इसी तरह की गलतियां थीं कांग्रेस सत्ता से बेदखल हुई क्योंकि उसने जनता से ज्यादा ऐसे लोगों को महत्व दिया जिन्होंने जनता को परेशान किया या अवैध कारोबार मामले से जुड़कर सरकार को ही कटघरे में खड़ा किया। वैसे उप निरीक्षक जिन्होंने तबादला रुकवाने का जिम्मा लिया है वह काफी मशक्कत कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने संबंधित स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को आश्वस्त कर दिया है की उनका तबादला वह रुकवाकर ही दम लेंगे इसके लिए उन्होंने ने संबंधित पुलिसकर्मियों को आमद नही देने की हिदायत भी दी हुई है। वह उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के लिए भी पुलिसकर्मियों को तैयार कर चुके हैं जैसी सूचना मिल रही है।

क्या प्रधान आरक्षक व आरक्षक को आईजी के आदेशों की नही है परवाह?

भले ही एक उप निरीक्षक एमसीबी जिले के प्रधान आरक्षक और आरक्षक का तबादला रुकवाने का ठेका लिए हों लेकिन तबादला आईजी सरगुजा ने किया है वहीं उन्हे रवानगी भी मिल चुकी है फिर भी वह बलरामपुर जिले में जाकर अपनी आमद नहीं दे रहे हैं आईजी के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। अब सवाल यह उठता है की क्या प्रधान आरक्षक और आरक्षक को आईजी के आदेश की परवाह नहीं है,क्या पुलिस विभाग में भी अब अन्य विभागों की ही तरह अब अनुशासन भंग होता जा रहा है। सवाल कई हैं जिनके जवाब तब समझ में आयेंगे जब या तो तबादला रुक जायेगा या फिर आमद देनी होगी पुलिसकर्मियों को।

सूरजपुर के शिवप्रसादनगर में बड़े स्तर पर हो रहा जुआ:सूत्र

अलग-अलग जिलों से आकर जुआरी लगा रहे लाखों का दांव

एक आरक्षक के नाम के डिब्बे में रोज निकाला जाता है पुलिस का हिस्सा

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर,03 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के शिवप्रसाद नगर से बड़ी खबर सामने आ रही है जो जुएं के फड़ संचालन से जुड़ी हुई है जिसमे खुलेआम जुआ फड़ संचालित किए जाने की बात बताई जा रही है। बताया जा रहा है की इस जुआ फड़ में अलग अलग जिलों से जुआड़ी जुआ खेलने आ रहे हैं वहीं यहां रोज लाखों का दांव लगाया जा रहा है। यह सूत्रों से मिल रही खबर है और बताया जा रहा है की यहां एक डिब्बे में जिसमे एक आरक्षक का नाम लिखा हुआ है उसमे पुलिस का हिस्सा निकाला जा रहा है जो ईमानदारी से उन्हे भेजा भी जा रहा है जिससे कोई बाधा इसमें उत्पन्न न होने पाए। यह जुआ फड़ शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र के सामने संचालित है वहीं इसकी जानकारी आसपास भी सभी को है वहीं कई जिलों के जुआड़ी भी इससे भिग्य हैं जो लगातार जुआ खेलने आ रहे हैं। यह सूरजपुर जिले के अंतर्गत आने वाला गांव है वहीं यह कोरिया जिले के बॉर्डर से लगा हुआ भी गांव है जो आवागमन के हिसाब से भी जुवाडियों के लिए उत्तम है। सूत्रों की ही माने तो यहां जुवाडियों को पुलिस से न पकड़े जाने का पूरा आश्वासन है वहीं वह निडर होकर जुआ खेलें यह उन्हे आश्वस्त कराया जाता है। जुवाड़ियों की पहली पसंद हो चुका है फिलहाल यह जुआ फड़। यह जगह सूरजपुर भैयाथान पटना से लगा हुआ है वहीं यहां मध्यप्रदेश से भी जुवाडियों के पहुंचने की सूचना मिल रही है। जुआ फड़ों को लेकर वैसे तो खबरें हमेशा सामने आती रहती हैं लेकिन इस जुआ फड़ में पुलिस के हिस्से के लिए आरक्षक के नाम के डिब्बे की चर्चा के बाद यह फड़ काफी प्रसिद्ध फड़ हो गया है। शासन ने जिन उद्देश्यों के तहत जिलों का विकेंद्रीकरण किया, उसका लाभ जिलेवासियों को मिल रहा हो या नहीं लेकिन यह लगातार देखा जा रहा है की शासकीय विभागों में भ्रष्टाचार बढ़ा है खासकर पुलिस विभाग छोटा जिला होने के बावजूद अपराध कम कर पाने की जगह उसे रोक पाने में असफल हो रही है और कई जगह मिलीभगत से वह अवैध कारोबार सहित कई गलत कामों में खुद संलिप्त हो रही है ऐसी ही संलिप्तता जुआ फड़ों के मामले में देखी जा रही है। कई जिलों में जुआ फड़ संचालित होने की सूचना मिल रही है जिसमे से यह ताजा मामला सूरजपुर जिले से समाने आ रहा है। सूरजपुर जिले के शिवप्रसाद नगर में संचालित जुआ फड़ में कोरिया, अंबिकापुर, सुरजपुर, एमसीबी सहित कई जिलों के जुआड़ी जुआ खेलने प्रतिदिन आ रहे हैं जहां उन्हे पुलिस से पकड़े जाने का बिल्कुल भी भय नहीं है। अब सवाल यह उठता है की ऊपरी आय के लिए क्या समाज में अपराध को खुद अपराध रोकने वाले ही बढ़ावा दे रहे हैं क्या उन्हे नैतिकता अपने पद की गरिमा का भी ख्याल नहीं है। सवाल कई हैं लेकिन इसका जवाब कौन देगा यह देखने वाली बात होगी।

घटती-घटना खबर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधन ने लिया संज्ञान, हटाए जा सकते है पटना बैंक के शाखा प्रबंधक-सूत्र

पटना ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक गौरवदीप ने कई ऋण मामलों में बरती है अनियमितता...हुई थी शिकायत,घटती-घटना में प्रमुखता से खबर हुई थी प्रकाशित...

खबर प्रकाशित होते ही जागा क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय,जांच होने तक ग्रामीण बैंक शाखा प्रबंधक पटना गौरवदीप भेजे गए अन्यत्र

जांच न होने पाए प्रभावित,दस्तावजों से न हो छेड़छाड़ इस अंदेशे के तहत हुई कार्यवाही

जांच होने तक पटना शाखा जाना किया गया मना,जांच के उपरांत दोषी पाए जाने पर होगी बड़ी कार्यवाही

क्या पटना शाखा के अनियमित कर्मचारी को लेकर बैंक का क्षेत्रीय प्रबंधन लेगा संज्ञान,अनियमित कर्मचारी की भी की है शिकायतकर्ता ने लंबी शिकायत?

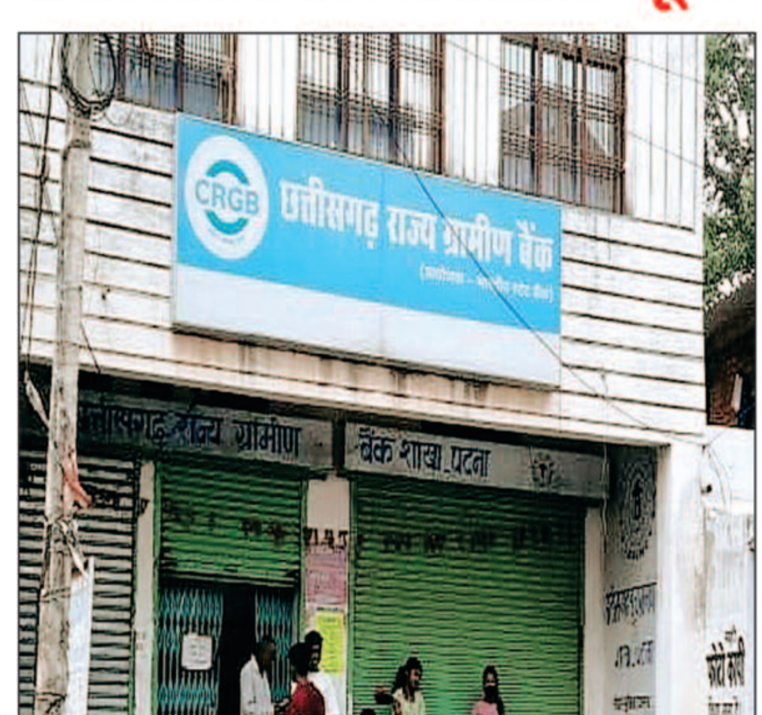

अनियमित कर्मचारी भी कर सकता है सबूतों से छेड़छाड़ यह भी शिकायतकर्ताओं को है अंदेशा...

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,03 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

घटती-घटना समाचार पत्र की एक खबर का फिर असर देखने को मिला है और इस बार खबर से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक कोरिया सूरजपुर एमसीबी के क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय ने संज्ञान लिया है जिसके बाद कोरिया जिले के पटना बैंक शाखा के शाखा प्रबंधक गौरवदीप को तत्काल पटना बैंक शाखा से हटा दिया गया है। यह कार्यवाही करने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है की शाखा प्रबंधक गौरवदीप जांच होने तक पटना बैंक शाखा से दूर रहें वहीं वह दस्तावेजों से छेड़छाड़ न कर सकें।

बता दें की ग्रामीण बैंक पटना शाखा के बैंक शाखा प्रबंधक गौरवदीप ऋण शाखा देखने वाली एक महिला कर्मचारी साथ ही एक बैंक का ही अनियमित कर्मचारी जो पटना का ही निवासी है को लेकर लिखित शिकायत हुई थी वहीं इन तीनों को लेकर आए दिन भी शिकायत हो रही थी जिसमे शाखा प्रबंधक पर यह आरोप लगा था की उनके द्वारा पीएमईजीपी ऋण योजना में धांधली की जा रही है वहीं उनके द्वारा इस योजना का लाभ एक ही परिवार के कई लोगों को दिया जा रहा है वहीं जबकि इसके नियम अनुसार इसका लाभ एक परिवार में किसी एक व्यक्ति को ही दिया जाना था।शाखा प्रबंधक गौरबदीप पर साथ ही ऋण शाखा देखने वाली अदिति रावत सहित पटना निवासी ही एक बैंक के अनियमित कर्मचारी पर यह भी आरोप लग रहा था जिसका उल्लेख समाचार में किया गया था की बैंक में लगातार आम खाताधारकों से साथ दुर्व्यवहार हो रहा था ,बैंक के लोगों द्वारा सूदखोरों की मदद की जा रही थी वहीं इनके द्वारा ही बड़े रसूखदारों का काम जल्द निपटाया जा रहा था साथ ही उन्हे अनुचित लाभ दिया जा रहा था। शाखा प्रबंधक ने ऐसा करके ही जल्द ही पटना ग्राम में जहां भूमि की कीमत बहुत ज्यादा है भूमि क्रय कर ली गई है वहीं कई अन्य जगह भी उनके द्वारा भूमि क्रय कर ली गई है। कई बार शिकायत होने उपरांत साथ ही उच्च कार्यालय को की गई लिखित शिकायत के बाद पटना ग्रामीण बैंक शाखा में जांच दल भेजा गया था और जांच को लेकर अभी कुछ सामने आना बाकी ही था वैसे ही घटती घटना में प्रकाशित खबर से ग्रामीण बैंक प्रबंधन ने संज्ञान ले लिया और उसने शाखा प्रबंधक गौरवदीप को पटना बैंक शाखा से अन्यत्र हटा दिया। उन्हे अन्यत्र हटाए जाने के पीछे की वजह यह बताई जा रही है की अब पूरे मामले की जांच तेजी से की जायेगी वहीं दोष पाए जाने पर बड़ी कार्यवाही की जाएगी साथ ही शाखा प्रबंधक गौरवदीप जांच प्रभावित न कर सकें वहीं दस्तावेज से वह हेर फेर न कर सकें इसलिए उन्हे फिलहाल अन्यत्र कार्य करना पड़ेगा।

बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधन कार्यालय ने बैंक की साख बचाने लिया शाखा प्रबंधक को अन्यत्र भेजने का निर्णय

ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधन ने पटना शाखा के शाखा प्रबन्धक को बैंक से हटा दिया है। माना जा रहा है की यह बैंक की साख बचाने के लिए किया गया प्रयास है। बैंक के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है उसका लाभ उसकी ख्याति साथ ही ग्राहकों का विश्वास यह सभी कुछ दांव पर लग जाता यदि पटना शाखा प्रबंधक को नहीं हटाया जाता।

जांच यदि हुई निष्पक्ष तो उठ सकता है बड़े भ्रष्टाचार से पर्दा

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की कोरिया जिले की पटना शाखा में शाखा प्रबंधक बतौर जबसे गौरवदीप की पदस्थापना हुई है तभी से उनको लेकर शिकायतें सामने आने लगी थीं,सबसे बड़ा आरोप उनके ऊपर पीएमईजीपी योजना अंतर्गत ऋण प्रदान करने के दौरान लग रहा था जिसमे उन्होंने कई नियमों की अनदेखी करते हुए कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाया था जो उनके ऊपर आरोप लगा था। शाखा प्रबंधक गौरवदीप ऋण शाखा का काम देख रही अदिति रावत साथ ही एक बैंक के अनियमित कर्मचारी की मिलीभगत से यह सबकुछ किया गया था ऐसा आरोप है। वहीं सूदखोरों की मदद बैंक की गोपनीयता भंग करते हुए अन्य को जानकारी अन्य के खाते की प्रदान करने का आरोप भी बैंक के कर्मचारियों पर लग रहा था जिसमे अनियमित कर्मचारी पर ज्यादा आरोप लग रहे थे और उसका स्थानीय होना उसके लिए अनुचित कार्य करने के पीछे हिम्मत साबित हो रहा था ऐसी शिकायत हो रही थी।अब सभी मामलों की यदि जांच हुई तो कई बड़े भ्रष्टाचार से पर्दा उठने की संभावना है ऐसा माना जा रहा है।

सीसी लिमिट बनाने में भी बरती गई है अनियमितता

सूत्रों की माने तो पटना ग्रामीण बैंक शाखा से सीसी लिमिट बनाने का काम बड़े स्तर पर किया जा रहा था। सीसी लिमिट कोई भी बैंक बड़ी सावधानी से बनाने का काम करती हैं क्योंकि इसमें जोखिम अधिक होता है लेकिन गौरवदीप ने इसे अधिक मात्रा में बनाया और अनुचित लाभ लोगों को दिया ऐसा आरोप है। बताया जाता है की उनके सी सी लिमिट बनाने की लिमिट ज्यादा ही थी और यह एक वजह हो सकती है की जल्द कोई बैंक कर्मी शाखा की जिम्मेदारी लेने से पीछे न हट जाए क्योंकि यह जोखिम भरा ऋण है। सीसी लिमिट बनाने में भी अनियमितता बरती गई है जिसकी जांच हुई तो पोल खुलेगी ऐसा भी बताया जा रहा है।

जांच होने तक शाखा प्रबंधक गौरवदीप को अन्यत्र भेजा गया,जिससे जांच न हो प्रभावित

नितिन चौधरी क्षेत्रीय प्रबंधक छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक बैकुंठपुर मामले में जब छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक नितिन चौधरी से संपर्क कर जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया की फिलहाल जांच जारी है,जांच जब तक जारी है शाखा प्रबंधक गौरवदीप अन्यत्र कार्य पर भेजे जायेंगे वहीं इसके पीछे कारण है की वह जांच प्रभावित न कर सकें वहीं दस्तावेजों से खिलवाड़ न हो सके। जांच में दोषी पाए जाने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

झुमका कोरिया के लिए बेहतर पर्यटन स्थल बन सके इसके लिए करोड़ों खर्च फिर भी हाल बेहाल

झुमका को पर्यटन क्षेत्र में बदलने का देखा रहे सपना पर क्षेत्र के आसपास लगा गंदगी का अंबार | मुख्यमंत्री से लेकर कई मंत्रियों ने यहां का दौरा किया जब-जब नेताओं का दौरा हुआ तब तब प्रशासन ने इसे चमकाया | नेताओं के जाते ही झुमका का हो जाता है हाल बेहाल, सुध लेने की भी फुर्सत में नही रहता प्रशासन के | प्रशासन रॉयल्टी वसूलने में व्यस्त व्यवस्था से नहीं है कोई सरोकार

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,03 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है झुमका वोट क्लब,कैंटीन,पार्किंग एवं फिश एक्वेरियम झुमका को पर्यटन स्थल बनाने के लिए प्रशासन से लेकर सरकार ने खूब प्रयास किया जमकर पैसे भी खर्च हुए पर यह पैसे तब खर्च होते हैं जब मुख्यमंत्री को यहां बुलाकर सब कुछ अच्छा दिखाना होता है उनके जाने के बाद स्थिति तो ऐसी हो जाती है कि वहां पर लोग जाने से भी कतराने लगते हैं क्षेत्र गंदगियों में तब्दील हो जाता है सफाई की व्यवस्था नहीं होती है सिर्फ प्रशासन वोट क्लब, कैंटीन, मछली एक्वेरियम व पार्किंग से पैसा वसूल रहा है पर सुविधा शून्य है। चमचमाता हुआ झुमका पर्यटन स्थल इस समय अपनी पहचान गंदगियों के मामले में बता रहा है,आई लव कोरिया वाला बोर्ड भी टूट कर कहीं चला गया सिर्फ अब उसका फ्रेम ही बचा है।

बता दें की झुमका का बांध क्षेत्र बैकुंठपुर सहित कोरिया जिले में पर्यटन क्षेत्र के रूप में प्रशासन द्वारा विकसित किया जा रहा था इस हेतु करोड़ों खर्च भी किया जाता रहा समय समय पर यहां वोटिंग की सुविधा फिश एक्वेरियम सहित सैलानियों के लिए खाने पीने की उत्तम व्यवस्था के लिए कई ऐसे संस्थान स्थापित किए गए जो सैलानियों को आकर्षित करें और उन्हे जरूरत की हर चीज वहीं उपलब्ध हो सके। समय समय पर प्रशासन ने खर्च किया जरूर लेकिन प्रशासन ने यह ध्यान नहीं दिया की झुमका क्षेत्र की साफ सफाई कैसे होगी वह भी नियमित। नियमित साफ सफाई को लेकर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है न ही उन्हे इससे सरोकार है जो यहां की व्यवस्था देख रहे हैं। साफ सफाई के अभाव में झुमका क्षेत्र में सैलानियों को निराश देखा जा रहा है और यह भी कहते सुना जा रहा है की साफ सफाई होनी जरूरी है। यहां गंदगी का अंबार लग रहा है क्योंकि यहां लोग पिकनिक मनाने पहुंच रहे हैं और खाना बनाकर आग जलाकर और खाना खाने के बाद वह उपयोग की गई कागज प्लेटें और अन्य अनुपयोगी सामग्री वहीं छोड़ जा रहे हैं जिसके कारण गंदगी फैल रही है। झुमका क्षेत्र में पिकनिक मनाने की उस जगह अनुमति शायद नहीं है या होनी भी नहीं चाहिए जहां प्रशासन से किराए पर रॉयल्टी पर लोग दुकान लेकर अपना व्यवसाय चला रहे हैं जो खाने पीने की चीजों के ही दुकान है जो पिकनिक मनाने जाने वालों के कारण प्रभावित हो रहे हैं । जब दुकानदार तय रॉयल्टी प्रशासन को प्रदान कर रहे हैं तो उन्हे उनका व्यवसाय करने की अनुमति भी वैसी ही मिलनी चाहिए जिन शर्तो पर उन्हे अनुमति मिली है जो नही मिल पा रही है। अब प्रशासन झुमका क्षेत्र को या तो पर्यटन क्षेत्र ही बने रहने दे वहां साफ सफाई का भी ध्यान रखे या फिर उसे निशुल्क पिकनिक क्षेत्र घोषित कर दे जिससे जाने वालों को न तो किसी कर प्रदाय करने की जरूरत हो न उन्हे गंदगी से ही कष्ट हो।

पिकनिक पर प्रतिबंध नहीं गंदगी की वजह बन चुका है पिकनिक मनाना

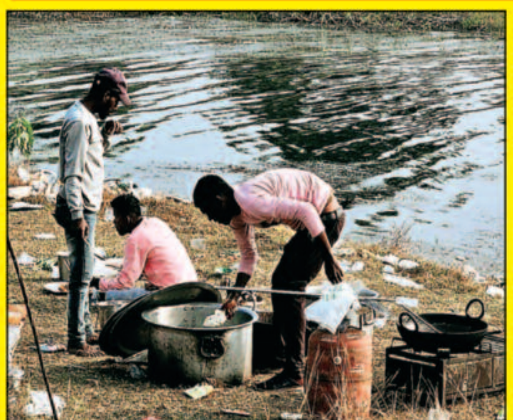

झुमका का क्षेत्र वोटिंग सहित अन्य सैलानी सुविधाओं के लिए विकसित किया गया था लेकिन यहां अब लोग पिकनिक मनाने पहुंचने लगे हैं और जिसके कारण क्षेत्र में गंदगी का अंबार लग जा रहा है जिस ओर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है वहीं शासन को शुक्ल सहित रॉयल्टी चुकाकर जो लोग यहां व्यवसाय करने आए हैं उन्हे भी इसकी वजह से नुकसान ही हो रहा है।

सफाई की नहीं है व्यवस्था

झुमका क्षेत्र जो वोटिंग सहित फिश एक्वेरियम के रूप में विकसित है जहां जाकर सैलानी वोटिंग का आनंद लेते हैं साथ ही वह अन्य जगह जैसे फिश एक्वेरियम में परिवार सहित तरह तरह की मछलियों को देखकर प्रसन्न होते हैं तस्वीरें खिंचवाते हैं उस जगह और क्षेत्र में गंदगी का अंबार है वहीं इसकी साफ सफाई कैसे हो कौन करे इसकी कोई व्यवस्था नहीं है,वाहन सहित कई तरह का शुक्ल जबकि सैलानी चुकाते हैं फिर भी उन्हे सुविधा के नाम पर गंदगी के बीच समय बिताना पड़ता है।

सुरक्षा भी भगवान भरोसे

झुमका क्षेत्र में सुरक्षा भी भगवान भरोसे है। इस क्षेत्र में छुट्टियों के दिन लोगों का हुजूम जुटता है लेकिन यहां कोई सुरक्षा व्यवस्था प्रशासन की तरफ से नहीं होती।

प्रतापपुर में नकली शराब की बिक्री जोरों पर

शराब पीकर दो चीटियो की दर्दनाक मौत!

-संवाददाता-
प्रतापुर,03 जनवरी 2024
(घटती-घटना)

प्रतापपुर नकली शराब एवं मिलावट खोरी का मामला जहां प्रतापपुर के शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान का शिकायत सामने आते रहे हैं जिससे शासन प्रशासन मौन धारण कर जांच के नाम से खाना पूर्ति करते हैं। वहीं इसके वजह से लोगों को स्वास्थ्य एवं गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है

हाल ही में चौका देने वाली प्रतापपुर शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान का मामला सामने आया है। इस वक्त धड़ल्ले से सोशल मीडिया में भी जमकर वायरल हो रहा है मामला यह है कि प्रतापपुर अंग्रेजी शराब दुकान से व्यक्ति ने अंग्रेजी शराब दुकान से रॉयल चैलेंज का अंग्रेजी शराब युवक ने खरीदा जिसमें अंग्रेजी शराब के सीलपैक बोतल में दो चिटिया की मौत होकर शराब के बोतल में तैरते हुई नजर आई जिसकी खबर सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे नगर में आग की तरह फैल गई। जहां लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अंग्रेजी शराब पीकर दो चीटियों की दर्दनाक मौत से सरकार की हो रही किरकिरी वही शराब में नकली शराब बिक्री का मामला प्रतापपुर क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहा है तथा छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध शराब की खेप प्रतापपुर में खपाई जा रही है। जहां अंग्रेजी शराब का विभाग स्वयं छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पास में होने के बाद भी शराब की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं वहीं प्रतापपुर में शराब की इस गुणवत्ता पर तथा शराब के बनाए जाने से लेकर भरने तक की प्रति की क्रिया की पोल खोलती नजर आ रही है। यहां प्रतापपुर में महंगे दारू पर शराब की बिक्री सहित अनाप-शनाप रेट में शराब की बिक्री हो रही है आबकारी विभाग का पोल खोलते हुए शराब की गुणवत्ता की पोल खुल गई है जिससे शराब पीने वालों में काफी आक्रोश है। इस विषय में अंग्रेजी शराब दुकान का मैनेजर जय ने बताया कि इस मामले की जानकारी मुझे प्राप्त हुई है अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग सड़क किनारे बेजा कब्जा करवाकर दुर्घटना का कर रहा इंतजार,शिकायत के बाद भी विभागीय अधिकारी-कर्मचारी नहीं कर रहे कार्यवाही

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,03 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग के उदासीनता के करण कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। लोक निर्माण विभाग के सड़क किनारे बेजा कब्जाकर दुकान संचालित होने के कारण कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है मामला है खड़गवां के अटल चौंक एवं अन्य रहयासी मकानो का लोक निर्माण विभाग के सड़क पर बेजा कर संचालन कर रहे हैं। बताना लाजमी होगा कि पिछले दो-तीन वर्षो से लोक निर्माण विभाग के उदासीनता के कारण अटल चौंक में आये दिन दुर्घटना हो रही है लगता है लोक निर्माण विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। सड़क से सटा कर दुकानों का संचालन होने के कारण सड़क पर भीड़ लगा रहता है और दुकान में ग्राहकों के द्वारा पक्की सड़क पर ही अपनी वाहन को खडा किया जाता है जबकि इस जगह पर सभी प्रमुख संस्थान संचालित है

पशु चिकित्सालय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोषण पुनर्वास केंद्र प्राथमिक पाठशाला मितानिन प्रशिक्षण केन्द्र आदि होने के कारण भीड़ लग जाती है और मुख्य मार्ग होने के कारण बड़ी बड़ी गाडियों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो ट्रक चालकों के साथ बहसा बहसी भी करते देखा गया हैं। अब ट्रक चालक बेचारे क्या करें गाली सुनकर बिना गलती के चले जाते हैं।अटल चौंक से प्राथमिक पाठशाला खडगवा तक काफी भीड रहता है सड़क के दोनों किनारों पर वाहन खड़े होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी होती है यही बगल से पेट्रोल पंप को जाने का भी रास्ता है और हास्पीटल के सामने बनी दुकानदारो के द्वारा सड़क से सटा कर अवैध अतिक्रमण किया गया है अटल चौक से पेट्रोल पंप की ओर से आन जाने वालों को आर पार नहीं दिखाई देता हैं जिससे हमेशा रहागिरों को दुर्घटना का डर बना रहता है कि कब किसी वाहन के साथ दुर्घटना न हो जाये। अटल चौक डेंजर जोन कहे जाने वाला स्थल के पास के पूराने खंडहर भवन को ग्राम पंचायत के द्वारा गिराने के बाद काम्प्लेक्स बना दिया गया है वो भी दो मंजिला जो थोड़ी बहुत कसर थी की बड़ी वाहनों के दिखाई देने की वो भी खत्म हो गई अटल चौक से पेट्रोल पंप की ओर जाने वाले मोटरसाइकिल छोटे एवं बड़े वाहनों को काफी परेशानी होती है और दुर्घटना होने की शंका बनी रहती है ये स्थल बहुत ही खतरनाक है मुख्य मार्ग से चारो तरफ के कार्यलय का रास्ता होने के कारण दुर्घटना की बहुत बड़ी संभावना रहती है यहां पर कई छोटी छोटी दुर्घटना हो चुकी है। मुख्य मार्ग पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य तो लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के सामने हुआ है तब लोक निर्माण विभाग ने इस पर कोई कार्यवाही नहीं किया गया ऐसा लगता है कि लोक निर्माण विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है इसी कारण कार्यवाही नहीं कर रहा है। अब देखना होगा कि दुर्घटना के बाद ही लोक निर्माण विभाग नींद से जाग के इस पर कार्यवाही करेंगा?

सडक़ सुरक्षा अभियान से पूर्व स्टंटबाज बाइकर्स पर कसा गया शिकंजा

-संवाददाता-
कोरबा,03 जनवरी 2024
(घटती-घटना)

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने वर्ष 31 दिसंबर 23 एवं 1 जनवरी 24 के आगमन के दौरान पुलिस विभाग को दिए गए सख्त निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करते हुए चौक चौराहों पर दू पहिया और चार पहिए वाहनों की जांच की गई । जांच के दौरान लगभग 500 वाहन चालकों पर मो.व्ही एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही पुलिस कप्तान के मार्गदर्शन तथा यातायात थाना प्रभारी गोवर्धन मांझी के निर्देशन व एएसआई मनोज राठौर के मॉनिटरिंग में एएसआई क्रमशः घनश्याम सिंह राजपूत, तरूण जायसवाल एवं ट्रैफिक के प्रधान आरक्षकों व आरक्षकों द्वारा की गई। जिसके अंतर्गत तीन दिनों के अंदर 500 वाहन चालकों पर मोव्ही एक्ट के तहत कार्रवाई की गई साथ ही स्टंटबाज बाइकर्स को भी सख्त चेतावनी देते हुए सही तरीके से वाहन चलाने के निर्देश दिए गए है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर -2,जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र202312021700097/ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुलाब देवी पति स्व0 विक्रम सिंह, जाति क्षत्रीय, निवासी डी.सी. रोड़, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 490 रकबा 0.070 हे0 भूमि का द्वितीय प्रति ऋण प्रस्तिका बावत् आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ0ग0)

पत्र क्रमांक 5306 व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2023 बलरामपुर दिनांक 29/12/2023

::निविदा निरस्तीकरण सूचना::

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदाये अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते है।

स.क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्र./दिनांक	जी क्रमांक
1	122647	88/31.01.2023	98226
2	122655	88/31.01.2023	98226
3	122660	88/31.01.2023	98226
4	122672	88/31.01.2023	98226

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जी नंबर-06827/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

सूचना

मैं बोधन राम आत्मज मुनेश्वर आयु 32 वर्ष जाति उरांव निवासी ग्राम करमपुर थाना विश्रामपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ का निवासी हूं कि मेरा विवाह श्रीमती जलसीता बाई आत्मज रामजीत आयु 36 वर्ष जाति उरांव निवासी ग्राम जमरगीह बी तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ के साथ दिनांक 29/3 /2017 को जातिगत रीति रिवाज के साथ विवाह संपन्न हुआ और यह की विवाह के बाद मेरी पत्नी मेरे निवास स्थान पर आकर रह रही है और दांपत्य संबंधों का निर्वहन कर रही है मैं अपने विवाह का प्रमाण पत्र विधिवत रजिस्टर में दर्ज कर प्राप्त करना चाहता हूं।

शपथकर्ता
बोधन राम पत्नी जलसीता बाई
ग्राम करमपुर, थाना बिश्रामपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर,छत्तीसगढ

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र.../अ-6/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश राजवाड़े, जुगो देवी राजवाड़े, बिसुन नाथ राजवाड़े, गणेश कुमार राजवाड़े सभी निवासी मोहल्ला डी.सी. पी.डब्ल्यू.डी. कार्यालय के पास अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा उनके पिता/पति श्याम साय आ0 स्व0 भरोष राम की दिनांक 26.09.2018 को मृत्यु हो जाने के कारण मोहल्ला सिचाई कालोनी नगर अम्बिकापुर शीट नंबर-4 स्थित नजूल भूमि प्लाट नंबर 2027/79 रकबा 800 वर्गफीट भूमि को मृतक का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेन्टनेन्स खसरा, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, की छायाप्रति सहित पेश की गई है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/01/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र.../अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ईश्वरी बाई मानिकपुरी पति स्व0 जीवन दास मानिकपुरी जाति पनिका निवासी चोपड़ापारा नगर अम्बिकापुर थाना गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला चोपड़ापारा नगर अम्बिकापुर शीट नंबर 04 स्थित नजूल प्लाट नंबर 9/88 रकबा 0.04 1/2 एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/01/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार मैनपाट, जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र:-202312020800008/ब-121/ 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम कुदारीडीह को सूचित किया जाता है कि मनोहर आ0 जयराम, जाति तेली, निवासी कुदारीडीह, तहसील मैनपाट, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुदारीडीह स्थित भूमि खसरा नंबर189/3, 190/2, 191/4 रकबा क्रमशः 0.2500, 0.5000, 0.4600 हे0 भूमि जो उभयपक्ष की पैतृक सम्पति है अनावेदकगण ओमप्रकाश आ0 जयराम, केवला पति जयराम, हीरामनी पति भोला, प्रिया गुप्ता आ0 भोला, सभी जाति तेली, निवासी ग्राम सीतापुर, तहसील सीतापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने हिस्से की भूमि विक्रय कर दिया गया है। अतः आवेदक द्वारा अनावेदकगण का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो ईश्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार मैनपाट जिला-सरगुजा छ.ग.

दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका 55 पर ऑलआउट

सिराज ने झटके 6 विकेट,भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर अफ्रीका का,भारत- 105/3

केप टाउन, 03 जनवरी 2023। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में साउथ अफ्रीका 55 रन पर ही ऑलआउट हो गया। भारत के खिलाफ टीम अपने सबसे छोटे स्कोर पर आउट हुई। केप टाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। लेकिन टीम लंच सेशन खत्म होने तक भी टिक नहीं पाई।

फिलहाल पहले दिन के दूसरे सेशन का खेल जारी है। टीम इंडिया ने 3 विकेट के नुकसान पर 105 रन बना लिए हैं। विराट कोहली और शुभमन गिल क्रीज पर हैं। शुभमन गिल 36 रन बनाकर नांद्रे बर्गर का शिकार हुए।

पहला सेशन जल्दी खत्म हुआ

साउथ अफ्रीका टीम भारतीय समयानुसार दोपहर 3:33 बजे ही सिमट गई। लंच सेशन 4:00 बजे होता है लेकिन पारी जल्दी खत्म हो जाने के चलते पहला सेशन भी जल्दी खत्म कर दिया गया। सेशन जल्दी खत्म करने में सिराज का रोल अहम रहा, उन्होंने 15 ही रन देकर 6 विकेट झटक लिए।

भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर

साउथ अफ्रीका की टीम पहली पारी में एक सेशन भी नहीं खेल सकी। टीम 23.2 ओवर ही बैटिंग कर पाई और 55 रन के स्कोर पर आउट हो गई। ये भारत के खिलाफ टीम का सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले 2015 में टीम नागपुर के मैदान पर 79 रन ही बना सकी थी।

घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका इससे पहले 2006 में 84 रन के स्कोर पर आउट हुई थी। साउथ अफ्रीका टीम टेस्ट में भारत के खिलाफ महज तीसरी बार ही 100 रन के अंदर ऑलआउट हुई है।

सिराज ने झटके 6 विकेट

पहली पारी में भारत से मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए। उन्होंने ऐडन मार्करम, डीन एल्गर, टोनी डी जॉर्जी, डेविड बेडिंघम, काइल वेरियन और मार्को यानसन को पवेलियन भेजा। सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार को भी 2-2 सफलताएं मिलीं। रोहित शर्मा 39 रन बनाकर नांद्रे बर्गर का शिकार हुए। भारत को पहला झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। उन्हें कगिसो रबाडा ने बोल्ड किया।

शुभमन गिल 36 रन बनाकर आउट

तीसरे ही ओवर में शुभमन गिल को क्रीज पर आना पड़ गया। उन्होंने रोहित के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की फिर कोहली के साथ पारी आगे बढ़ाई। शुभमन संभल चुके थे लेकिन नांद्रे बर्गर की बेहतरीन आउट स्विंगर बॉल ने उनके बैट का बाहरी किनारा लिया और वह स्लिप में आउट हो गए। शुभमन ने 55 बॉल पर 36 रन बनाए।

रोहित 39 रन बनाकर आउट

कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे टेस्ट में संभलकर शुरुआत की। उन्होंने सेट होने के बाद तेजी से बैटिंग की और टीम को बढ़त दिला दी। लेकिन वह 39 रन बनाकर आउट हो गए, उन्हें नांद्रे बर्गर ने कैच आउट कराया। रोहित और शुभमन के बीच दूसरे विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप हुई।

साउथ अफ्रीका के 11 खिलाड़ियों ने महज 23.2 ओवर बैटिंग की

साउथ अफ्रीका के 11 खिलाड़ियों ने महज 23.2 ओवर बैटिंग की। भारत से तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट मिले। साउथ अफ्रीका से काइल वेरियन ने 15 और डेविड बेडिंघम ने 12 रन बनाए। बाकी बैटर्स 6 रन का स्कोर भी पार नहीं कर सके।

विराट कोहली टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंचे

दुबई,03 जनवरी 2024। भारत के ताबीज बल्लेबाज विराट कोहली ने नए साल की अच्छी शुरुआत की और आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश किया,अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में नौवें स्थान पर चढ़ गए। ने बुधवार को नवीनतम रैंकिंग अपडेट की घोषणा की। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग के शीर्ष 10 में लौट आए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने दो मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच के प्रयास के बाद बड़ी छलांग लगाई है। सेंचुरियन में श्रृंखला,जिसे घरेलू टीम ने एक पारी और 32 रनों से जीतकर 1-0 की बढ़त ले ली, आईसीसी ने एक आधिकारिक बयान में घोषणा की। कोहली, पिछले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज, जो 2022 के मध्य में शीर्ष 10 से बाहर हो गए थे, 38 और 76 के स्कोर के साथ चार स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं, लेकिन अभी भी शीर्ष क्रम के न्यूजीलैंड के केन विलियमसन से 103 रेटिंग अंक पीछे हैं। (864 अंक). जो रूट 859 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि स्टीव स्मिथ 820 के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इस बीच, भारत के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट रैंकिंग में चार स्थान गिरकर 14वें स्थान पर आ गए। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी डीन एल्गर का सेंचुरियन में पहले टेस्ट में अपने प्रयासों के बाद शीर्ष 20 बल्लेबाज के रूप में रिटायर होना तय है, जो अपने आखिरी टेस्ट से पहले 19 स्थान की छलांग लगाकर 17वें (680) पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में वापसी के बाद, जसप्रित बुमरा ने गेंदबाज़ों की रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया और हमवतन रवींद्र जड़ेजा (774) के बाद पांचवें (767) स्थान पर रहे। मार्को जेन्सन के प्रयासों के परिणामस्वरूप तीन स्थान ऊपर चढ़कर 22वें (618) स्थान पर पहुंच गए, लेकिन 268 की करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ, ऑल-राउंडर स्टैंडिंग में पांच स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गए। नवीनतम साप्ताहिक अपडेट में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच दूसरे टेस्ट में प्रदर्शन पर भी विचार किया गया है। पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि एलेक्स कैरी (चार स्थान ऊपर 41वें) और मिशेल मार्श (16 स्थान ऊपर 52वें) भी ऊपर आ गए हैं। मेलबर्न टेस्ट के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज सऊद शकील (एक स्थान ऊपर 13वें), अब्दुल्ला शफीक (तीन स्थान ऊपर 21वें), और मोहम्मद रिज़वान (चार स्थान ऊपर 27वें) आगे बढ़े, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 79 रन से जीतकर 2-0 से बढ़त बना ली। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में बढ़त. बल्लेबाजी में, अफगानिस्तान के बल्लेबाज इब्राहिम जादरान ने सप्ताह की शुरुआत में अर्धशतक के बाद 14 स्थान की छलांग लगाकर 33 वें स्थान पर पहुंच गए।

IPL नीलामी में दर्शकों की संख्या में 57 प्रतिशत की वृद्धि

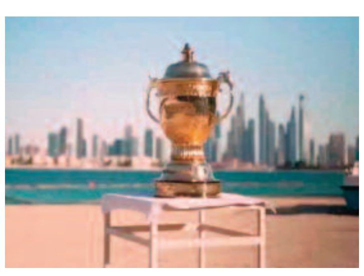

नई दिल्ली,03 जनवरी 2023। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बुधवार को कहा कि हाल ही में आयोजित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की नीलामी में पिछली नीलामी के दर्शकों की तुलना में 57 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शाह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यह घोषणा की कि आईपीएल नीलामी ने कुल 22.8 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया, जो 2022 की नीलामी में हुई नीलामी की तुलना में अधिक है। इस सीजन में ञआईपीएल नीलामी में 22.8 मिलियन दर्शकों की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग चोटी के साथ नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है । पिछले साल से उल्लेखनीय 57 प्रतिशत की वृद्धि! उत्कृष्टता हमारी प्रेरक शक्ति है, और हम सीमाओं को पार करने और उत्साहजनक प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं आगामी आईपीएल सीज़न में दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए क्षण! ध्रआईपीएल नीलामी 7 ध्रआईपीएल 2024 शाह ने ट्वीट किया।

आईपीएल 2024 टीमें और पूरी टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2024 टीम-अजय मंडल, अजिंक्य रहाणे, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे,महेश थीक्षाना, मथीशा पथिराना, मिशेल सेंटनर, मोइन अली,एमएस धोनी,मुकेश चौधरी,निशांत सिंधु,प्रशांत सोलंकी,राजवर्धन हंगरगेकर,रवींद्र जड़ेजा,रुतुराज गायकवाड़,शेख रशीद, शिवम दुबे,सिमरजीत सिंह,तुषार देशपांडे, रचिन रवींद्र, शार्दुल ठाकुर,डेरिल मिशेल, समीर रिजवी, मुस्तफिजुर रहमान और अवनीश राव अरावली।

Dubai: ICC मेन्स इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023,नामांकितों में यशस्वी जयसवाल

दुबई,03 जनवरी 2023। भारत के स्टार बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल को तीन अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ आईसीसी पुरुष उभरते क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है,अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की।

आईसीसी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, रोमांचक तेज गेंदबाजों और दो उत्तम दर्जे के बाएं हाथ के बल्लेबाजों की एक जोड़ी 2023 के लिए आईसीसी पुरुष उभरते क्रिकेटर ऑफ द ईयर सम्मान की दौड़ में है।न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज रचिन रवींद्र,दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी और श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका इस पुरस्कार को जीतने के दावेदार हैं।2023 के वर्ष ने भारत के लिए अपनी छाप छोड़ने वाले युवाओं के लिए कई अवसरों का वादा किया,और 22 वर्षीय जयसवाल ने बड़ी टीमों के खिलाफ अपनी शानदार पारियों के साथ लगभग हर अवसर हासिल किया। जयसवाल को जुलाई में कैरेबियन में टेस्ट डेब्यू का मौका दिया गया था,और उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया,डोमिनिका में बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए शतक बनाया और प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान जीता। यात्रा के दूसरे टेस्ट में,उन्होंने 57 और 38 रन का योगदान दिया, जिसमें रोहित शर्मा के साथ 139 रन की शुरुआती साझेदारी में अर्धशतक भी शामिल था।

उसी दौरे पर, जयसवाल ने अपना टी 20 ई डेब्यू किया, और अपने पहले मैच में लड़खड़ाने के बावजूद, उन्होंने केवल 51 गेंदों में 84 रन की पारी खेलकर जवाब दिया। हांग्जो में एशियाई खेलों में,उन्होंने नेपाल के खिलाफ सम 100 (49) रन बनाए,इसके बाद ऑस्ट्रेलिया (25 गेंदों में 53) और दक्षिण अफ्रीका (41 गेंदों में 60) के खिलाफ अर्धशतक बनाए। 2023 से पहले अन्य दो प्रारूपों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए,यह एकदिवसीय प्रारूप था, जहां रवींद्र ने मार्च में पदार्पण किया था, जिसमें उन्होंने अपनी क्षमताएं दिखाई। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 49 गेंदों में शतक बनाकर शुरुआती संभावनाएं दिखाई,और उन्होंने गेंद से भी योगदान दिया और घर से बाहर पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ तीन-तीन विकेट लिए। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक के बाद, लेकिन यह विश्व कप था जब रवींद्र वास्तव में चमके। केन विलियमसन की अनुपस्थिति में, बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 123* (96) की पारी के साथ अपनी उम्र से अधिक वर्ग और मानसिक तीक्ष्णता का प्रदर्शन किया। बढ़ते ध्यान और प्रतिद्वंद्वी गेमप्लान के बावजूद, रवींद्र ने अपनी क्लास का प्रदर्शन जारी रखा। डचों के खिलाफ 51 गेंदों की पारी के बाद धर्मशाला में भारत के खिलाफ एक और अर्धशतक बनाया। रवींद्र यहीं नहीं रुके,उन्होंने उसी स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वीरतापूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए 116 रन बनाए, इसके बाद बेंगलुरु में पाकिस्तान के खिलाफ एक और शतक लगाया।

सबालेंका ने ब्रॉन्ज़ेटी को हराया,राउंड ऑफ़ 16 में पहुंची

ब्रिस्बेन,03 जनवरी 2023। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के दूसरे दौर में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी पर जीत हासिल की और 6-3, 6-0 के शानदार स्कोर के साथ महज 58 मिनट में मैच जीत लिया। सबालेंका के विजयी ब्रिस्बेन पदार्पण ने उनकी ऑस्ट्रेलियाई जीत की लय को 12 तक बढ़ा दिया। पिछले साल, 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एडिलेड और ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीता था, जहां उन्होंने अपना पहला बड़ा खिताब जीता था। मैं यहां ऑस्ट्रेलिया में प्रशंसकों के सामने खेलकर बहुत खुश हूं। वे अद्भुत हैं। मैं अभी जो रिकॉर्ड बना रहा हूं उस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा हूं। मैं सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और प्रत्येक में अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस ला रहा हूं। मैच मैं खेलता हूं, सबलेंका को डब्ल्यूटीए द्वारा उद्धृत किया गया था। सीज़न के अपने पहले मैच में 52वीं रैंकिंग वाली ब्रॉन्ज़ेटी का सामना करते हुए,सबालेंका ने शुरुआती सेट में 4-2 से ब्रेक लेकर मैच की शुरुआत की। वह अगले नौ खेलों में से 8 में जीत हासिल करने में सफल रही और ब्रॉन्ज़ेटी को अपने सीज़न में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए पराजित किया।

200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई शाहरुख की डंकी,13 वें दिन की इतनी कमाई

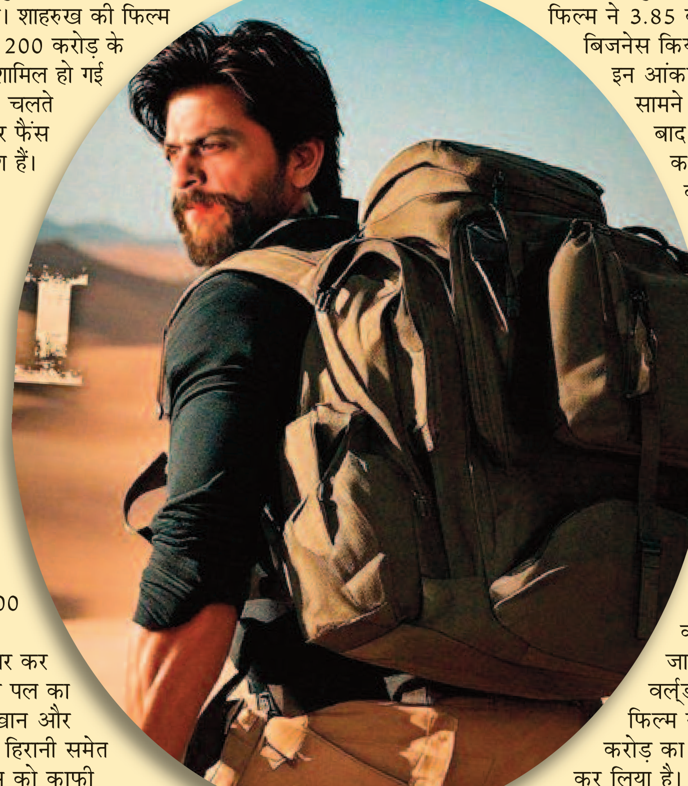

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी फिल्म डंकी को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं। बीता साल शाहरुख के लिए बेहतरीन साबित हुआ है। नए साल की शुरुआत भी उनके लिए अच्छी रही। शाहरुख की फिल्म डंकी अब 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है. जिसके चलते मेकर्स और फैंस काफी खुश हैं। सुपरस्टार शाहरुख खान के लिए नए साल की शुरुआत काफी अच्छी रही है। नए साल के दूसरे ही दिन उनकी फिल्म 'डंकी' 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। इस पल का शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी समेत उनके फैंस को काफी इंतजार था. 120 करोड़ के बजट में बनी डंकी अब सुपरहिट फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो गई है. इस फिल्म ने अपनी लागत से ज्यादा कारोबार कर सभी को खुश कर दिया है।नए साल पर जहां 'डंकी' के कलेक्शन में उछाल देखने को मिला था। वहीं साल के दूसरे दिन ये आंकड़े थोड़े कम हो गए हैं। लेकिन फैंस को खुशी इस बात की है कि शाहरुख की ये फिल्म भी 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। बता दें, शाहरुख खान के करियर की ये पांचवी ऐसी फिल्म है जो 200 करोड़ के पार पहुंची है। वहीं बात करें फिल्म के 13वें दिन के आंकड़ों की तो सैकनिल्क की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने 3.85 करोड़ का बिजनेस किया है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद अब डंकी का टोटल कलेक्शन 203.08 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं दुनिया भर में भी शाहरुख की फिल्म अच्छी-खासी कमाई किए जा रही है। वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 400 करोड़ का कारोबार कर लिया है। फिल्म को मिल रहे रिस्पॉन्स से शाहरुख और उनकी टीम बेहद खुश है। वहीं शाहरुख समेत तापसी पन्नू और विक्की कौशल के काम को भी काफी पसंद किया जा रहा है।बता दें, शाहरुख खान इस साल भी धमाका करने के लिए तैयार हैं। माना जा रहा है कि किंग खान इस साल अपनी 3 बड़ी फिल्मों का ऐलान करने वाले हैं। फिलहाल शाहरुख अपने परिवार के साथ लंदन में मौजूद हैं। वहां से आने के बाद वह अपनी फिल्मों को लेकर घोषणा कर सकते हैं।

विजय के साथ वेकेशन मना रहीं रश्मिका

एनिमल' फेम एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और साउथ इंडियन स्टार विजय देवरकोंडा के अफेयर को लेकर कई दिनों से अटकलें लगाई जा रही हैं। वे लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने आज तक इस बारे में खुलकर बात नहीं की है,लेकिन उनका साथ देखकर ऐसा लगता है कि उनमें स्पेशल बोंडिंग है। अब एक बार फिर कुछ ऐसे संकेत मिले हैं, जिससे लग रहा है कि वे एक साथ न्यू ईयर वेकेशन एंजॉय कर रहे हैं। दरअसल रश्मिका ने अपने इंस्टा हैंडल से एक अज्ञात लोकेशन के रास्ते में टहलते हुए एक झलक दिखाई। वह हरियाली और पेड़ों से घिरे रास्ते पर चलते हुए खुशी से उछलकूद करती दिखीं। रश्मिका ऑलिव-ग्रीन को-ऑर्ड सेट पहने हैं, जिसमें एक स्ट्रैपी टॉप और एक मैचिंग स्कर्ट शामिल है। रश्मिका ने बिना मेकअप के बालों को खुला रख सिर्फ सनग्लासेस पहने थे। क्लिप के साथ रश्मिका ने कैप्शन में लिखा,हैप्पी न्यू-ईयर। हेहे।

कई नेटिजंस ने बताया कि रश्मिका के रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय भी वहां थे। कुछ यूजर्स ने कहा कि उन्होंने रश्मिका के चश्मे पर विजय का प्रतिबिंब देखा। कुछ मान रहे हैं कि यह विजय ही थे,जिन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड का यह हैप्पी वीडियो क्लिक किया। हाल ही एक यूजर ने अपने एक्स हैंडल पर रश्मिका की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा,आप हमारी नेशनल क्रश हैं मैम। मुझे उम्मीद है कि एक दिन मुझे आप जैसी पत्नी मिलेगी। इस पर रश्मिका ने कहा, ओह...जब मैं शादी करूंगी, तो मुझे उम्मीद है कि मेरा पति भी मुझे एक अमेजिंग वाइफ के रूप में सोचेगा।

नीलकंठ पहुंचीं अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने अपने साल की अच्छी शुरुआत करने के लिए नीलकंठ का दौरा किया।

सोनाली ने इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, ÷नीलकंठ की यात्रा के साथ साल की शुरुआतज मुझे उम्मीद है कि उनके आशीर्वाद से इस साल नकारात्मक विचारों और कार्यों के जहर पर काबू पाया जा सकता है!

उसने पूरी लंबाई वाली बैंगनी जैकेट और हल्के रंग की पैंट पहनी थी। उन्होंने सफेद स्नीकर्स के साथ एक ऑफ-व्हाइट मफलर भी जोड़ा।

सोनाली ने कोरियोग्राफर गीता कपूर का भी जिक्र किया, जिनके साथ उन्होंने रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' में जज के रूप में स्क्रीन साझा की थी। गीता और सोनाली के अलावा 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' को टेरेंस लुईस ने जज किया था।

सोनाली ने 1 जनवरी को अपने जन्मदिन पर हरिद्वार में अपने परिवार के साथ रिक्शा की सवारी और केबल कार की सवारी भी की। वह गंगा आरती में भी शामिल हुई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी हरिद्वार यात्रा की तस्वीर साझा की और लिखा, ÷ई-रिक्शा, केबल कार की सवारी, सबसे अद्भुत गंगाजी आरती के साथ हरिद्वार में क्या दिन रहाज धन्यवाद (हमें इतनी आसानी से अंदर और बाहर ले जाने के लिए)

उन्होंने 1994 की फिल्म 'आग' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें गोविंदा, शिल्पा शेट्टी और शक्ति कपूर भी थे। उनकी पहली बड़ी हिट एक्शन रोमांस 'दिलजले' थी जो 1996 में रिलीज हुई थी और बाद में वह 'मेजर साब', 'सरफरोश', 'डुप्लीकेट', जख्म', 'चोरी चोरी' और 'हम साथ' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। साथ हैं', दूसरों के बीच में।

2018 में, उन्हें कैंसर का पता चला और उन्होंने यूएसए में इलाज कराया। कई महीनों तक इलाज कराने के बाद आखिरकार उन्होंने इस बीमारी को हरा दिया और जीत हासिल की और तब से वह कैंसर के बारे में जागरूकता फैला रही हैं।

जाह्नवी ने की अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलासा

स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' के आगामी एपिसोड में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपनी बहन खुशी कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। शो में जाह्नवी ने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के बारे में खुलासा किया। जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है और वे सोशल मीडिया पर भी जुड़े रहते हैं। इसके बारे में बात करते हुए करण जौहर ने पूछा, आपका प्यार का सफर दिलचस्प रहा है, आप शिखर को डेट कर रही थीं,और फिर आपने किसी और को डेट किया और अब आप फिर से शिखर को डेट कर रही हैं। सही या गलत? मैं ऐसा नहीं कहूंगी, लेकिन मैं यह कहूंगी,वह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि हमारे परिवार में सभी के लिए शुरू से एक दोस्त रहे है। इस तरह से नहीं कि मुझे ऐसा लगे कि वह किसी चीज की उम्मीद कर रहे है।

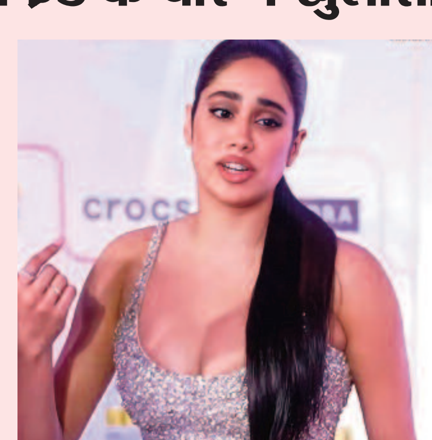

CMYK

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने सावित्री बाई फुले की जयंती पर उन्हें नमन किया

रायपुर,03 जनवरी 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत की पहली महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक स्वर्गीय श्रीमती सावित्री बाई फुले की 03 जनवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा कि सावित्री बाई फुले जी ने महिला शिक्षा के लिए लोगों को न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि कई महिलाओं को शिक्षा भी दी। छुआछूत विरोध, स्त्री अधिकारों की लड़ाई एवं शिक्षा के क्षेत्र में श्रीमती फुले का योगदान अविस्मरणीय है। स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में किये गए उनके उल्लेखनीय कार्य हमेशा याद किए जाएंगे।

महादेव सट्टा एप्प मामला

ईडी ने पेश किया 1800 पन्नों का परिवाद,अगली सुनवाई 10 को

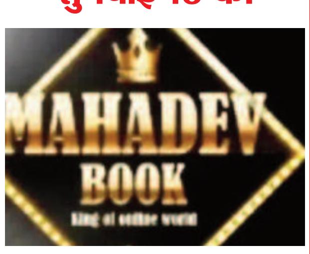

रायपुर,03 जनवरी 2024(ए)। महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में ईडी ने आज पूरक चालान पेश किया। ईडी के वकील डॉक्टर सौरभ कुमार पांडेय ने बताया,ईडी ने आज विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की अदालत में पूरक चालान पेश किया। 1800 पन्नों का परिवाद पेश किया गया। 10 जनवरी को अगली सुनवाई होगी. वकील डॉ. सौरभ ने बताया, पांच और आरोपियों के नाम जोड़कर परिवाद पेश किया गया. भीम सिंह यादव,असीम दास, शुभम सोनी,अनिल अग्रवाल समेत रोहित गुलाटी को परिवारवाद में आरोपी बनाया गया है। परिवाद में छह हज़ार करोड़ रुपया का घोटाला का खुलासा किया गया था। पेश पूरक चालान पर 10 जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या हुई 100 से ऊपर

रायपुर,03 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण एक बार फिर से तेजी से बढने लगा है। राज्य में मंगलवार रात तक संक्रमित मरीजों की संख्या 100 के ऊपर चला गया है। प्रदेश में रायगढ़ जिले में सबसे ज्यादा मरीज सामने आए हैं। मंगलवार को प्रदेश भर में हुए जांच में 27 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित मिले है। वहीं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राज्य कन्ट्रोल एन्ड कमांड सेंटर द्वारा जारी रिपोर्ट में बताया कि कल 4642 सैम्पलों की जांच हुई। प्रदेश की पॉजिटिविटी दर 0.58 प्रतिशत है।

पीएससी घोटाले की होगी सीबीआई जांच

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर,03 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में लोक सेवा आयोग (पीएससी) की भर्ती में गड़बड़ी के लगे आरोपों की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी करेगी। विष्णुदेव साय कैबिनेट ने इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है।

अफसरों और नेताओं पर लगा है...आरोप

सीजी पीएससी की भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगा है। पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी सहित अन्य आईएएस,आईपीएस अफसरों और नेताओं के रिश्तेदारों के चयन का आरोप लगा है। यह मामल हाईकोर्ट के विचाराधीन है। राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान पीएससी की भर्ती में घोटला बड़ा मुद्दा बना था। भाजपा ने सत्ता में आने पर इस मामले की जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने का वादा किया था। भाजपा की सरकार बनने के बाद से परीक्षा में शामिल युवा, जांच की घोषणा का इंतजार कर रहे थे।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने भी की है सख्त टिप्पणी

पीएससी घोटाले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने आज कड़े तेवर दिखाए। बहस की वायरल वीडियो में चीफ जस्टिस कहते सुनाई पड़ रहे हैं कि इन 18 की नियुक्ति रोक दी जाए। हालांकि, ये हाई कोर्ट का अधिकारिक आदेश नहीं है। अगली सुनवाई कल सुबह होगी। बता दें, पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर की याचिका पर हाई कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कंवर की तरफ से अधिवक्ता संजय अग्रवाल खड़े हुए। पता चला है, कोर्ट ने कुछ बिंदुओं पर याचिकाकर्ता से कुछ जानकारी कल तक पेश करने कहा है। कल इस मामले पर फिर सुनवाई होगी।

मगर सुनवाई का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह काफी गंभीर है। इसमें चीफ जस्टिस कहते सुनाई पड़ रहे हैं कि ये ठीक है कि बड़े पदों पर बैठे लोगों के बच्चे भी ऐसे पदों पर सलेक्ट हो सकते हैं। मगर ऐसा क्या संयोग कि पीएससी

चेयरमैन और सिक्रेट्री के क्लोज नाते-रिश्तेदारों का चयन हो जाए। चीफ जस्टिस ने बहस के दौरान पीएससी चेयरमैन को पार्टी न बनाने पर सवाल किया तो ननकीराम के वकील ने कहा, सर...पीएससी चेयरमैन आर्टिकल 315 याने संवैधानिक पद है। इस पर सीजे ने कहा, ओके। इसके बाद वे आर्डर लिखाने लगे...जिसमें उन्होंने पूछा कि इन 18 लोगों की अभी नियुक्ति हुई है या नहीं वकीलों ने बताया कि अभी ट्रेनिंग वगैरह चल रही है। नियुक्ति पर वस्तुस्थिति का पता लगाते तक चीफजस्टिस ने कल तक के लिए आदेश रोक दिया। कल सुबह सुनवाई के बाद नियुक्ति की जानकारी मिलने के बाद आदेश जारी होगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिए गए

मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी (लिंकिंग सहित) करने का निर्णय लिया गया है।

मंत्रिपरिषद के इस निर्णय से राज्य शासन द्वारा किसानों से 21 क्विंटल धान खरीदी का वायदा पूरा हो गया है। गौरतलब है कि धान खरीदी का यह वायदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी में भी शामिल रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डधारी परिवारों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उन्हें आगामी पांच वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण का निर्णय लिया है, इससे राज्य के 67 लाख 92 हजार 153 राशनकार्डधारी परिवार लाभन्वित होंगे और उन्हें आगामी 5 सालों तक राशन दुकानों से निःशुल्क चावल मिलेगा।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत जारी राशन कार्डो में जनवरी-2024 से आगामी 5 सालों तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण के समान ही छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम-2012 के तहत जारी अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डो में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने का फैसला लिया गया है।

सीबीआई पर पाँच वर्ष से लगी रोक हटी छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई पर पांच वर्ष से लगी रोक हटा ली है।

संघीय जांच एजेंसी तेइस वर्ष पुराने छत्तीसगढ़ राज्य में अब तक के तीसरे मामले की जांच करेगी। इससे पहले 2003-04 में रामावतार जग्गी हत्याकांड और फिर विधायक खरीद फरोख्त कांड की जांच सीबीआई कर चुकी है।

बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

➡राज्य के युवाओं के हित में राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2021 के संबंध में प्राप्त अनियमितताओं की शिकायतों के परिपेक्ष्य में विस्तृत जाँच हेतु केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रकरण प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा-2021 के अंतर्गत 12 विभागों के 170 पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी की गई है।

➡मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी (लिंकिंग सहित) करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रिपरिषद के इस निर्णय से राज्य शासन द्वारा किसानों से 21 क्विंटल धान खरीदी का वायदा पूरा हो गया है। गौरतलब है कि धान खरीदी का यह वायदा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी में भी शामिल रहा है।

➡ छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्ड धारी परिवारों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उन्हें आगामी पांच वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण का निर्णय लिया है, इससे राज्य के 67 लाख 92 हजार 153 राशनकार्डधारी परिवार लाभन्वित होंगे और उन्हें आगामी 5 सालों तक राशन दुकानों से निःशुल्क चावल मिलेगा।राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत जारी राशन कार्डों में जनवरी-2024 से आगामी 5 सालों तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण के समान ही छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम-2012 के तहत जारी अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डों में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने का फैसला लिया गया है।

प्रभु श्रीराम की चरण पादुका रायपुर पहुंची

» भक्तों ने श्रद्धाभक्ति से किया स्वागत

» चरण पादुका दर्शन के लिए उमड़ा सैलाब, 22 को पहुंचेगी अयोध्या

रायपुर, 03 जनवरी, 2024 (ए)। श्रीलंका के अशोक वाटिका से भगवान श्रीराम के भक्त उनकी चरण पादुका लेकर अयोध्या जा रहे हैं। राजधानी रायपुर पहुंचने पर श्रीराम भक्तों का सैलाब चरणपादुका दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। पूरी राजधानी राममय हो गई। अध्यात्म को लेकर उत्साह के संगम का अलग ही तरह का श्रद्धाभाव देखने को मिला। यह यात्रा आठ राज्यों से होकर निकाली जा रही है। इस दौरान रायपुर में शोभायात्रा के पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रीराम भक्त मौजूद रहे। जय श्रीराम के जयकारे के पूरा शहर गूंज उठा। श्रीलंका के अशोक वाटिका से अयोध्या तक चरण पादुका शोभायात्रा निकाली जा रही है।यह शोभायात्रा राम वन गमन परिपथ के रास्ते से होते हुए मध्यप्रदेश जाएगी। प्रभु श्रीराम के ननिहाल के 300 तीर्थ स्थलों से होते हुए यह यात्रा एमपी जाएगी और 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी। फिर, राम मंदिर में चरण पादुका स्थापित की जाएगी।

नक्सली हमारे प्रदेश के नौजवान हैं,बातचीत के लिए 24 घंटे खुले हैं सारे दरवाजे

रायपुर,03 जनवरी 2024 (ए)। मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा आज रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने नवंबर दिसंबर माह में बस्तर इलाके में आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों से मिले। उनका हाल-चाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। हॉस्पिटल में छत्तीसगढ़ पुलिस के 4 जवान अरविंद एक्का,कुंजाम जोगा,रोशन हिकमी और सुरेश कुमार मिच्छा तथा सीएपीएफ के जवान इंद्रजीत प्रसाद सिंह एवं मणिकांदन का ईलाज चल रहा है। गृहमंत्री ने घायल जवानों से कहा कि किसी भी प्रकार की सहायता आदि की जरूरत हो तो उनसे सम्पर्क कर सकते है, साथ ही उन्होंने चिकित्सकों से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने पर चर्चा किया। मुलाकात के बाद गृहमंत्री विजय शर्मा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि परिजनों को फोन नंबर देकर आया कोई असुविधा हो तो काल कर सकेंगे। पिछले पांच सालों में न संवाद हुआ न कार्यवाही हुई। अब बातचीत के सारे रास्ते खुले है। नक्सली हमारे प्रदेश के नौजवान है। चौबीसों घंटे बातचीत के सारे दरवाजे खुले है, जिस तरह से बात करना है करें लेकिन आईईडी ब्लास्ट करना, गला रेत देना ये सब खत्म करना चाहिए।भाजपा सरकार में नक्सली गतिविधि बढ़ना ये नक्सलियों की बौखलाहट है। उनको अब लग रहा है उनके साथ क्या होने वाला है। इस अवसर पर आरंग के विधायक गुरु खुशवंत साहेब, डीजीपी अशोक जुनेजा, पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, डॉ. सुनील खेमका एवं हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित थे।

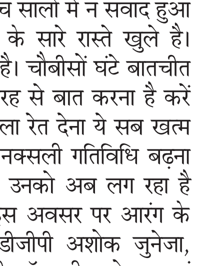

अधिकारी ऐसा कार्य करें कि देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने

आश्रम-छात्रावास परिसर में बनेगा जिम, दिल्ली में हॉस्टल तो बिलासपुर में प्रतियोगी परीक्षा केंद्र की तैयारी

रायपुर,03 जनवरी 2024 (ए)। आदिमजाति, अनुसूचित जाति, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक मंत्री रामविचार नेताम ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि आदिमजाति विकास के तहत ऐसा कार्य करें कि छत्तीसगढ़ की देश- दुनिया में एक अलग पहचान बने। आदिमजाति, अनुसूचितजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समाज के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। सभी आश्रम-छात्रावासों में शिक्षा के साथ-साथ खेल प्रतिभाओं को सामने लाने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। उन्होंने आश्रम-छात्रवास परिसर में जिम स्थापित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।नवनियुक्त आदिमजाति, अनुसूचित जाति, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक मंत्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान आश्रम-

छात्रवास परिसर में जिम स्थापित करने, दिल्ली में रहकर सिविल सर्विसेस की तैयारी करने वालों युवाओं के लिए नई हॉस्टल की कार्ययोजना तैयार करने और बिलासपुर में सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के लिए भी केन्द्र खोलने के निर्देश अधिकारियों को दिए।मंत्री नेताम ने बैठक में कहा कि राज्य के छात्र-छात्राएं जो दिल्ली में स्थित यूथ हॉस्टल में रहकर सिविल सर्विसेस की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए सीटों की संख्या में वृद्धि करने की दिशा में कार्ययोजना तैयार की जाए, उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुरूप कोचिंग सेंटर के आसपास नई हॉस्टल बनाने पर भी कार्ययोजना तैयार किया जाए. उन्होंने बिलासपुर में सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के लिए भी केन्द्र खोलने के निर्देश अधिकारियों को दिए।मंत्री नेताम ने राज्य के संरक्षित जनजातियां बैगा, कमार, बिरहोर, पहाड़ी कोरवा, पण्डो, अबूझमाड़ के विकास के लिए भी ठोस कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों के वन अधिकार पत्रों के संबंध में शिकायतें मिल रही है।

ड्राइवरों की हड़ताल खत्म होने से लोगों ने ली राहत की सांस

रायपुर,03 जनवरी 2024(ए)। हिट-एंड-रन कानून के विरोध में देश के हड़ताली ड्राइवर आज से काम पर लौट आए हैं। मंगलवार रात केंद्र के आश्वासन के बाद वाहन चालकों ने हड़ताल खत्म कर दिया था।

ज्ञात हो कि ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को केंद्रीय गृह से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान उन्हें बताया कि नए कानून के तहत प्रावधानों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि मंत्रालय इसे लागू करने से पहले एआईएमटीसी के साथ चर्चा करेगा। इस आश्वासन के बाद कि प्रावधानों को लागू करने से पहले चर्चा की जाएगी, एआईएमटीसी ने ड्राइवरों से हड़ताल खत्म करने की अपील की। नए कानून की धारा 106 (2) में 'हिट-एंड-रन' मामलों में 10 साल तक की कैद और 7 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। ट्रांसपोर्टर और ट्रक ड्राइवर इस प्रावधान का विरोध कर रहे हैं और उनकी मांग है कि इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए।

राजिम मेले को फिर मिलेगा महाकुंभ का दर्जा

रायपुर,03 जनवरी 2024(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार में धर्मस्व मंत्री रहे बृजमोहन अग्रवाल ने राजिम के मांघी पुन्नी मेले को महाकुंभ का दर्जा दिया था जिसके बाद राजिम कुंभ को देशभर में एक अलग पहचान मिलने लगी थी। इसी बीच प्रदेश में भाजपा की सरकार बदल गई थी और कांग्रेस की सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राजिम महाकुंभ का नाम भी बदल दिया गया। अब छत्तीसगढ़ में भाजपा ने कांग्रेस की सरकार बदल दी है जिसके बाद राजिम के मांघी पुन्नी मेले का नाम बदल कर पुनः महाकुंभ रखने की तैयारी की जा रही है।सीएम विष्णुदेव साय की अगुवाई में आज छत्तीगसढ़

सरकार के कैबिनेट की मीटिंग नया रायपुर स्थित मंत्रालय में होने जा रही है। यह मीटिंग इसलिए भी खास हैं क्योंकि मंत्रियों को विभागों के आबंटन के बाद यह पहली बैठक है। इस बैठक में मंत्रियों को उनके विभाग से परिचय कराते हुए उनके दायित्वों की जानकारी दी जाएगी। साय कैबिनेट में आज मोदी की गारंटी पर गहनता से चर्चा होगी, कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव लाये जायेंगे। जिन दो योजनाओं पर कैबिनेट गंभीरता से मंथन करेगी उनमे महतारी योजना और गरीबों को 500 रुपये में सिलेंडर योजना प्रमुख हैं। इन दोनों योजनाओं को किस तरह अमलीजामा पहनाया जाए और इसका लाभ किस तरह समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे इस पर मंत्री और अफसरों के बीच भी वार्ता होगी।लेकिन इन सबके बीच साय सरकार पूर्ववर्ती भूपेश बघेल के एक पुराने फैसले को पलटने की तैयारी में जुटी हुई है। यह फैसला प्रदेश के संस्कृति और पर्यटन से जुड़ा हैं। दरअसल साय सरकार एक बार फिर से राजिम मेले को कुम्भ का दर्जा दिए जाने की तैयारी में हैं। पिछली बार कांग्रेस की सरकार बनते ही भूपेश सरकार ने प्रस्ताव लाकर राजिम कुम्भ का नाम राजिम पुनी मेला कर दिया था। तब पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ था। कांग्रेस ने सरकार बनाने के बाद दावा किया कि वे मेले के प्राचीन नाम को बहाल कर रहे हैं। कांग्रेस ने तर्क दिया था कि प्राचीन नाम राजिम माघ पुन्नी मेला था न कि राजिम कुंभ और 2006 में भाजपा सरकार ने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नाम बदलकर इसे कुंभ मेला कर दिया।

किसानों की शिकायत पर सख्त हुई सरकार

बोनस की रकम निकालने पर बैंक कर्मी कर रहे हैं परेशान

रायपुर,03 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने गत माह 25 दिसंबर को अटल जयंती के मौके पर लगभग 12 लाख किसानों को 3700 करोड़ रुपये से ज्यादा बोनस की राशि डीबीटी के जरिये दी थी। रबी फसलों की बुआई और सिंचाई आदि के काम में किसानों को इस समय पैसे की सख्त जरूरत है। ऐसे में सरकार द्वारा दिया गया बोनस किसानों के लिए सौगात बन गया। मगर, बोनस पर बैंक वालों की बुरी नजर के कारण यह सौगात किसानों के लिए मुसीबत साबित हो रही है।

बैंक करनी बता रहा है तरह-तरह के नियम

सरकार की तरफ से किसानों को कोई सहूलियत मिलते ही सरकारी तंत्र का

बंदर बांट शुरू हो जाता है। इसे रोकने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खाते में भेजने जैसे तमाम तकनीकी उपाय किए गए हैं। मगर, किसानों का हक मारने की विभागीय कर्मचारियों की लत अभी दूर नहीं हो रही है. किसानों ने शिकायत की है कि जब वे बोनस का पैसा अपने बैंक खाते से निकालने जा रहे हैं तो बैंककर्मी रिश्वत वसूलने के मकसद से उन्हें तरह तरह से परेशान कर रहे हैं। जिससे किसानों को अपने ही बैंक खाते से अपना पैसा निकालने में खासी परेशानी हो रही है।

सरकार हुई सख्त

मुख्यमंत्री साय ने किसानों की इन शिकायतों पर तत्काल प्रभाव से संज्ञान लिया है। उन्होंने बोनस का पैसा निकालने में सहकारी बैंकों के प्रबंधकों द्वारा टाल-मटोल किए जाने की शिकायतों पर गहरी नाराजगी जताई है.। मुख्यमंत्री ने अपेक्स बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी सहकारी बैंकों के प्रबंधकों को किसानों की मांग के आधार पर उनके खाते से पैसा निकालने में किसी तरह की बाधा उत्पन्न नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

आम चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की तैयारी शुरू

रायपुर, 03 जनवरी 2024(ए)। भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने के बाद अब 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसको लेकर चुनाव आयोग ने कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। जिसमें 6 जनवरी से मतदाता सूची का पुनरीक्षण का कार्य शुरु होगा। यानी मतदाता सूची प्रारूप का प्रारंभिक प्रकाशन होगा। 1 जनवरी 2024 को 18 साल पूरे होने वाले मतदाता अपना नाम सूची में जुड़वा सकेंगे. जिसके बाद 6 से 22 जनवरी तक नाम जोड़ने, हटाने और संशोधित किए जाएंगे. वहीं 8 फरवरी को वोटर लिस्ट का फाइनल प्रकाशन किया जाएगा।

राज्य में वर्तमान में कुल 2 करोड़ 3 लाख 93 हजार 160 मतदाता हैं। इनमें 1 करोड़ 2 लाख 56 हजार 865 महिला मतदाता और 1 करोड़ 1 लाख 35 हजार 543 पुरुष मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा तृतीय लिंग समुदाय के मतदाताओं की कुल संख्या 752 है। छत्तीसगढ़ में 11 लोकसभा क्षेत्र हैं. वहीं, राज्य के 90 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 24,109 मतदान केन्द्र हैं। 20,920 मतदान केन्द्र लोकेशन हैं, जिनमें 3227 शहरी व 17,693 गामीण क्षेत्र में स्थित है।

अयोध्या में भंडारे के लिए भगवान राम के ननिहाल से पहुंचेगी 100 टन सब्जी

रायपुर,03 जनवरी 2024(ए)। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में होने जा रही भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की सबसे अधिक खुशी उनके ननिहाल छत्तीसगढ़ में है। यहां के किसानों ने कार्यक्रम में भंडारे के लिए 100 टन सब्जियां भेजने का निर्णय लिया है। इससे पहले छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल भेजा जा चुका है।2 जनवरी 2024 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों के आग्रह पत्र को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह जानकारी सार्वजानिक किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लिखा_राम काज करिबे को आतुर...

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है, जिस पर हर सनातनी को गर्व है। मेरे प्रदेश के अन्नदाताओं ने भी राम काज के लिए अपने खेतों से उगाई गई 100 टन सब्जियां राम मंदिर निर्माण कार्य में योगदान स्वरूप भेजने का निर्णय लिया है। भगवान राम जन-जन हृदय में बसे हैं ऐसे में प्रभु श्रीराम के ननिहाल के किसानों का ये अगाध प्रेम और भक्ति का ये अद्भुत स्वरूप सराहनीय और वंदनीय हैं।इससे पहले मुख्यमंत्री ने यह भी लिखा था - छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स के साथियों का इस पुनीत कार्य के लिए हृदय से धन्यवाद। हम सबका सौभाग्य है कि आगामी जनवरी माह में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बनने वाला भोग और भंडारा भगवान श्री राम जी के ननिहाल से भेजे गए 11 ट्रकों को भरे 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल से बनेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)